@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 13 सितंम्बर 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 310 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ब्रिक्स ने परमाणु अप्रसार को बताया जरूरी

बहुपक्षीय व्यवस्था मजबूत करने पर भी दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में हुए 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों की सहमति से साझा बयान जारी किया गया। दुनिया में बढ़ते परमाणु खतरे और संघर्ष के जोखिम पर चिंता जताते हुए निरस्त्रीकरण, हथियार नियंत्रण और परमाणु अप्रसार की व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया है। 140 प्वाइंट के प्रस्ताव में से 40 वां भारत के लिहाज से काफी अहम है। इसमें पहलगाम हमले की निंदा की गई है और टेरर फंडिंग पर सख्ती से निपटने की बात है। दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन सत्र के समापन पर इसे जारी किया गया। सदस्य देशों ने वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता और अधिक न्यायसंगत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता

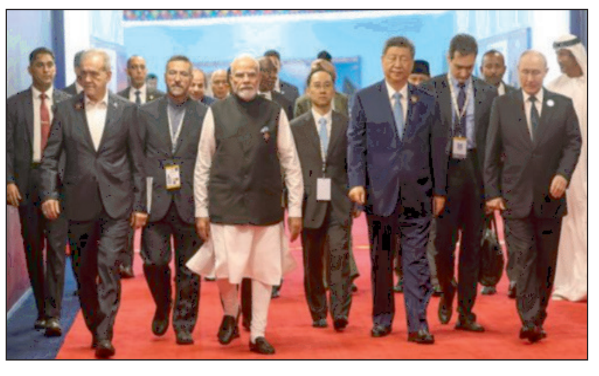

दोहराई। शिखर सम्मेलन की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण' है। परमाणु सुरक्षा के मुद्दे पर ब्रिक्स ने कहा कि दुनिया में परमाणु खतरे और संघर्ष के बढ़ते जोखिमों को देखते हुए निरस्त्रीकरण, हथियार नियंत्रण और परमाणु अप्रसार की व्यवस्था को फिर से प्रभावी बनाने की जरूरत है। नेताओं ने कहा कि वैश्विक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए इन व्यवस्थाओं की अखंडता और प्रभावशीलता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। ब्रिक्स ने परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्रों के महत्व को भी रेखांकित किया। नेताओं ने कहा कि ऐसे क्षेत्र वैश्विक परमाणु अप्रसार व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। समूह ने मौजूदा सभी परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्रों के प्रति अपना समर्थन और सम्मान दोहराया तथा उनसे जुड़े परमाणु हथियारों के इस्तेमाल या इस्तेमाल की धमकी के खिलाफ सुरक्षा आश्वासनों का भी समर्थन किया।

ब्रिक्स देशों ने की पहलगाम हमले की निंदा

घोषणापत्र में कहा- आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस

ब्रिक्स समिट में सदस्यों ने घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में ब्रिक्स देशों ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की। इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत माना जा रहा है। घोषणापत्र के मुताबिक, ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों की कड़ी निंदा की, चाहे उसका मकसद, जगह या उसे अंजाम देने वाले कोई भी हों। ब्रिक्स समूह देशों ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकवादी हमले की निंदा की, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। घोषणापत्र में सीमा–पार आतंकवाद, आतंकवाद के लिए फंडिंग और आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह मिलने जैसी समस्याओं से निपटने के संकल्प को दोहराया गया। साथ ही, इस बात पर जोर दिया गया कि आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। ब्रिक्स ने आतंकवाद के प्रति जोरो टॉलरेंस (सख्त रवैया) अपनाने, इसमें शामिल लोगों की जवाबदेही तय करने और संयुक्त राष्ट्र की ओर से घोषित सभी आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने का आह्वान किया।

'अब और टाला नहीं जा सकता', ब्रिक्स के मंच से पीएम मोदी ने उठाया संयुक्त राष्ट्र में सुधार का मुद्दा

दिल्ली में आयोजित हो रही 18वीं ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए 11 सदस्यों के नेता भारत पहुंच गए हैं। ब्रिक्स की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशों के नेताओं को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में सुधार की बात भी कही। शनिवार दोपहर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहुंचे। शाम 5.45 बजे पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात हो सकती है। पीएम मोदी ने ब्रिक्स समिट में कहा, 'इस रोडमैप को तैयार करते समय हमें तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना होगा– प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और नियम बनाना। पहला प्रतिनिधित्व के बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में सुधार को अब और टाला नहीं जा सकता। इस मामले पर बातचीत को एक निश्चित समय–सीमा और स्पष्ट नतीजों से जोड़ा जाना चाहिए। इसी तरह, वित्तीय संस्थानों में वोटिंग पावर, लीडरशिप की भूमिकाएं और पॉलिसी की प्राथमिकताएं आज की आर्थिक हकीकत के हिसाब से होनी चाहिए। जो देश ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ को आगे बढ़ाते हैं, उन्हें ग्लोबल इकोनॉमिक गवर्नेंस को आकार देने में भी उचित भूमिका निभानी चाहिए।' जवाबदेही को लेकर पीएम मोदी ने कहा, 'वैश्विक संस्थानों में मानवता का विश्वास तभी बढ़ेगा जब इस प्रभावी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होगा।

वैश्विक व्यवस्था में ग्लोबल साउथ की बड़ी भूमिका के लिए पीएम मोदी ने ब्रिक्स रोडमैप का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रिक्स को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए 10 वैश्विक शासन सुधारों का रोडमैप तैयार करने की जोरदार पैरवी की कि ग्लोबल साउथ को दुनिया के निर्णय लेने वाले केंद्रों में अधिक प्रभावी भूमिका मिले। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना' विषय पर आयोजित ब्रिक्स सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'ब्रिक्स को मजबूत करने के साथ-साथ हमें वैश्विक सुधार के लिए भी एक रास्ता तैयार करना चाहिए। वर्तमान वैश्विक शासन व्यवस्था एक पिरामिड जैसी है, जिसमें शक्ति और निर्णय लेने की क्षमता शीर्ष पर केंद्रित है, जबकि निचले स्तर पर वे देश हैं, जो इन फैसलों से प्रभावित होते हैं, लेकिन उन्हें आकार देने में सक्षम नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि यह असंतुलन ग्लोबल साउथ के लिए विशेष रूप से स्पष्ट है। ग्लोबल साउथ खुद को वैश्विक संकटों के केंद्र में पाता है, लेकिन निर्णय लेने वाले केंद्रों से बाहर है। वैश्विक शासन की संरचना में बुनियादी बदलाव का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मौजूदा 'विशेषाधिकारों के पिरामिड को साझेदारी के मंच में बदलना होगा।' उन्होंने कहा, 'भारत द्वारा आयोजित इस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का संदेश स्पष्ट होना चाहिए। यदि हमारा भविष्य साझा है, तो उस भविष्य को आकार देने का अधिकार भी साझा होना चाहिए।

ब्रिक्स समिट से इतर पीएम मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच उच्चस्तरीय वार्ता

पीएम मोदी ने शी जिनपिंग के सामने उठाया बॉर्डर विवाद का मुद्दा, बोले- 'मौजूदा समझौतों और आपसी समझ का पालन हो'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स समिट से इतर उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इसका हिस्सा भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजित डोभाल भी शामिल हुए। दोनों ने पारस्परिक संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर जोर दिया। लगभग सात साल बाद भारत आए जिनपिंग से पीएम की मुलाकात काफी अहम है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति जिनपिंग का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्हें बहुत खुशी

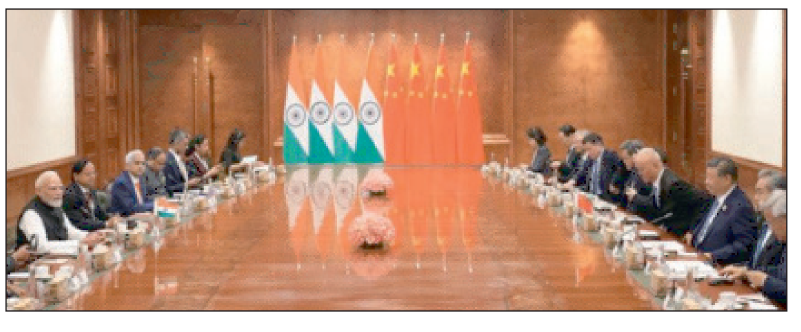

हो रही है, उनका स्वागत करते हुए, और ब्रिक्स समिट में सकारात्मक वक्तव्य के लिए आभार जताया। उन्होंने आगे कहा, 'हमें द्विपक्षीय सहयोग पर बात करने का एक बार फिर मौका मिल रहा है।' 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का पहला दिन ऐतिहासिक रहा। भारत के खाते में बड़ी उपलब्धि आई जब सदस्य देशों ने साझा बयान पर सहमति जताई। वहीं चीनी राष्ट्रपति ने भी पश्चिम एशिया संकट को कम करने के लिए अहम भूमिका निभाने पर जोर दिया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, नई दिल्ली में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि चीन मिडिल ईस्ट और गल्फ क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने में अपनी उचित भूमिका निभाना चाहता है।

लिए वो ब्रिक्स के दूसरे सदस्यों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। राष्ट्रपति ने माना कि इस युद्ध से पूरे इलाके के लोगों को भारी नुकसान हुआ है और यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साझा हितों के लिए भी सही नहीं है। पीएम मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान चीनी राष्ट्रपति से कहा कि बॉर्डर इलाकों में शांति और स्थिरता दोनों देशों के रिश्तों के लगातार विकास के लिए जरूरी आधार बनी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों को सीमा से जुड़े मुद्दों पर मौजूदा समझौतों और आपसी समझ का पालन करना चाहिए। दोनों नेताओं ने सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और आपसी सहमति वाले समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई, जो उनके समग्र द्विपक्षीय संबंधों के राजनीतिक नजरिए और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक हितों पर आधारित हो।

द्विपक्षीय बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, 'उलझे अंतरराष्ट्रीय हालात के बीच दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों और 'ग्लोबल साउथ' के अहम सदस्यों के तौर पर चीन और भारत की बड़ी जिम्मेदारियां हैं। दोनों पक्षों को मानवता के भविष्य और अपने लोगों की भलाई को ध्यान में रखते हुए, व्यापक ब्रिक्स ढांचे के भीतर उच्च-गुणवत्ता वाले सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।'

उत्तराखंड में 170 फीट लंबा ब्रिज बहा

● छत्तीसगढ़ में 2 कॉलेज स्टूडेंट्स नदी में लापता ● बिहार में 47 लाख लोग बाढ़ प्रभावित

एमपी-राजस्थान में बारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में भारी बारिश के बीच पिथौरागढ़ के कुलागाड़ नाले पर बना 170 फीट लंबा बैली ब्रिज तेज बहाव में बह गया। इससे चीन सीमा से लगी व्यास, दारमा और चौदांस घाटियों का संपर्क टूट गया है। यह ब्रिज 27 अगस्त को ही बनाया गया था। पुराना पुल 18 अगस्त को चट्टान गिरने से टूट गया था।

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में हसदेव नदी के तेज बहाव में 3 कॉलेज स्टूडेंट्स बह गए। शनिवार को एक स्टूडेंट का शव मिला। तीनों शुक्रवार को बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के 8 छात्र-

छात्राओं के साथ पिकनिक मनाने देवरी गांव पहुंचे थे। नदी किनारे सेल्फी के दौरान एक छात्र का पैर फिसला, उसे बचाने के लिए कूदे 2 अन्य छात्र भी बह गए। बिहार में बाढ़ से 15 जिलों में 47 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उत्तर प्रदेश के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। 21 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। MP के 15 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि राजस्थान के 29 जिलों में बारिश की संभावना है। इससे पहले राजस्थान के अलवर, सवाई माधोपुर, दौसा में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया था। एमपी के भोपाल में बारिश से विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम हो गई। दमोह में निचले इलाके डूब गए।

'पीएम मोदी ने भारत को गुलामी की मानसिकता से बाहर निकाला'

दुनिया में नई पहचान दिलाई : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजधानी लखनऊ में 'सेवा संकल्प अभियान' की जानकारी देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की यात्रा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत के विकास और वैश्विक प्रभाव में तेजी आई तथा देश ने दुनिया के सामने एक नए भारत की तस्वीर पेश की। मुख्यमंत्री ने पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के हेड ऑफ स्टेट के रूप में 7 अक्टूबर को 25 वर्ष पूरे होंगे। इसी उपलक्ष्य में 17 सितंबर 'सेवा दिवस' से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चलाया

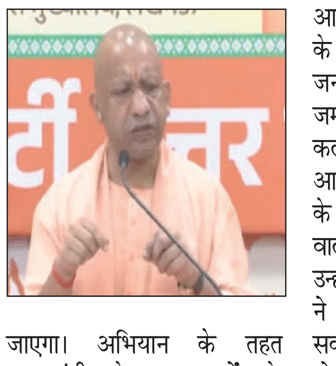

जाएगा। अभियान के तहत प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, उनकी नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात को वेलफेयर स्टेट के साथ आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल वाला ऐसा प्रदेश बनाया, जो दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बना। प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारा, जिनकी पहले कल्पना करना भी मुश्किल था। आज भारत गरीब और कमजोर देश के बजाय दुनिया का नेतृत्व करने वाली ताकत के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के कार्यकाल का अवलोकन करने पर समग्र विकास का एक स्पष्ट विजन दिखाई देता है।

हिमाचल प्रदेश में नशा तस्करों की कमाई अब जनता की होगी: मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नशे के कारोबार से करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों को अब अपनी आय का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि नशा बेचकर आलीशान कोठियां, होटल और दुकानें बनाई गई हैं। जमीन और महंगी गाड़ियां खरीदी गई। उन्होंने कहा कि यह पैसा और सम्पत्ति गरीबों और उन परिवारों की है जिनके बच्चे नशे के जाल में फंसाए गए हैं।ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और लगभग 3.27 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने के लिए नूरपुर पुलिस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नशे के कारोबार के खिलाफ निर्णायक जंग जारी है और नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों को जब्त किया जाएगा।

लाल टोपी और नीला लिबास...

केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना

एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजधानी लखनऊ में 'सेवा संकल्प अभियान' की जानकारी देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की यात्रा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत के विकास और वैश्विक प्रभाव में तेजी आई तथा देश ने दुनिया के सामने एक नए भारत की तस्वीर पेश की। मुख्यमंत्री ने पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री

मोदी के हेड ऑफ स्टेट के रूप में 7 अक्टूबर को 25 वर्ष पूरे होंगे। इसी उपलक्ष्य में 17 सितंबर 'सेवा दिवस' से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, उनकी नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात को वेलफेयर स्टेट के साथ आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल वाला ऐसा प्रदेश बनाया, जो दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बना। प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारा, जिनकी पहले कल्पना करना भी मुश्किल था।

'मेरे अविवाहित...', मायावती ने भाई आनंद को दी सलाह

भतीजी दीपिका को लेकर दिया संदेश, भतीजों को किया आउट

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया है। मायावती ने साफतौर पर कहा कि बसपा में भतीजों को कोई जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भविष्य में भतीजी दीपिका आनंद को पार्टी की कमान सौंपी जा सकती है। मायावती ने इसके साथ यह भी साफ किया कि यह सब भतीजी की कार्यक्षमता देखने के बाद ही होगा। मायावती ने यह बात अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए कही। जिसमें उन्होंने 9 बिंदुओं में अपनी बात रखी। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि

वैसे तो बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) द्वारा पूरे देश भर में व ख़ासकर उत्तर प्रदेश में युवाओं को तरजीह देने की नीति के तहत जेन-जी को लगभग पचास प्रतिशत तक पार्टी संगठन में भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया काफी लम्बे समय से जारी है, किन्तु अब यूपी, उत्तराखण्ड एवं पंजाब विधानसभा आमचुनाव आदि में भी सर्वसमाज के कर्मठ व युवा प्रतिभाअ और इन प्रयासों के कारण लोगों का मजबूरी का पलायन होना भी काफी रूका है, जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता है, किन्तु विरोधी पार्टियों के घोर जातिवादी रवैयों के कारण बी.एस.पी. की सरकार सन 2012 में पाँचवी बार यहाँ सत्ता में नहीं आ सकी, जिसका पछतावा सर्वसमाज के लोगों को अभी तक भी है, क्योंकि बी.एस.पी. सरकार के जाने के बाद से यहाँ पूरे प्रदेश में क़ानून द्वारा क़ानून का राज कायम नहीं होने से लोगों का जीवन दुखी ही नहीं बल्कि काफी त्रस्त भी बना हुआ है तथा विकास का सरकारी ढिंढोरा लोगों का पेट भी सही से नहीं भर पा रहा है। बीएसपी चीफ ने कहा कि ऐसे में पार्टी के लोगों को फिर से यह कहना है कि वे बी.एस.पी. का उम्मीदवार चुनते समय सर्वसमाज के अच्छे लोगों को ही चुनें तथा युवा वर्ग को भी प्राथमिकता दें जिसमें महिला व पुरुष दोनों होने चाहिये, तो यह उचित होगा।1

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस के सभी पदों से दिया इस्तीफा

मेरे ओएसडी रहे चंदन पर आरोप सही हैं तो मेरे शर्मिंदगी होगी

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड कांग्रेस में जारी अंदरूनी कलह के बीच पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अचानक कांग्रेस पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया है। उन्होंने यह बड़ा फैसला शनिवार को लिया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके ओएसडी रहे चंदन सिंह जीना के ठिकानों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में नकदी और सोना बरामद किया था।

रावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट लिखकर अपने इस्तीफे की वजह बताई। उन्होंने कहा कि टीवी पर उनके सहयोगी के घर से भारी मात्रा में कैश और जूलरी मिलने की खबरें चल रही हैं, जिसकी सच्चाई जल्द सामने आ जाएगी। रावत ने स्वीकार किया कि चंदन सिंह जीना उनके ओएसडी रहे हैं, और यदि ग्राम सेवक भर्ती परीक्षा या ओएमआर शीट से छेड़छाड़ में उनके खिलाफ कोई गड़बड़ी या सबूत पाए जाते हैं, तो यह उनके लिए बहुत बड़ी शर्मिंदगी होगी। हालांकि, उन्होंने जीना पर लगे आरोपों पर अविश्वास भी जताया।

अपने इस्तीफे का कारण बताते हुए रावत ने कहा, उत्तराखंड के चुनाव में भारी स्टेक्स हैं। मुझसे जब भी कोई व्यक्ति पूछता था कि चुनाव कब हो रहे हैं? तो मैं हंसी में उनसे कहता था कि भई चुनाव तब होंगे, जब सीबीआई मेरे दरवाजे पर दस्तक देने आएगी। यदि अभी नहीं आई है तो इसका अर्थ है कि चुनाव अगले वर्ष मार्च-अप्रैल में ही होंगे। लेकिन इस बार मेरे घर पर नहीं, मेरे एक सहयोगी के घर पर दस्तक देकर एक नरेटिव बनाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ रहे हैं, और राहुल गांधी राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। ऐसे में हरीश रावत के किसी भी कृत्य से यदि पार्टी के संघर्ष में कोई कमजोरी आती है, तो वह ऐसा बिल्कुल नहीं चाहेंगे। इसी भावना से प्रेरित होकर उन्होंने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी सदस्यता और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य पद से विनम्रतापूर्वक हटने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी वजह से पार्टी के संघर्ष में कोई कमजोरी न आए।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इसका गठन राज्य के नौजवानों के भविष्य को ध्यान में रखकर किया गया था। उन्होंने अपने कार्यकाल में पब्लिक सर्विस कमीशन को समय पर परीक्षाएँ लेने के लिए बाध्य किया और 42,000 से अधिक सरकारी पदों पर भर्तियां हुईं। उन्होंने स्वीकार किया कि यदि नियुक्तियों में कोई एरर ऑफ जजमेंट हुआ है, तो वह उत्तराखंड के लोगों से क्षमा प्रार्थी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि

यूकेएसएसएससी के चेयरमैन की नियुक्ति पिछली सेवा रिकॉर्ड और तत्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी की सलाह पर की गई थी, जिन्हें शिकायत मिलने के बाद उन्होंने ही हटाया था। रावत ने यह भी कहा कि कौन व्यक्ति कहां गलती कर दे, कोई नहीं जान सकता, ठीक वैसे ही जैसे किसी को नहीं पता होता कि आरएसएस का कोई पदाधिकारी भ्रष्ट निकल सकता है। चंदन सिंह जीना 2014 से 2017 तक हरीश रावत के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके ओएसडी रहे थे। ईडी ने उनके आवास से 32 लाख रुपये नकद, 12 लग्जरी घड़ियां और 200 ग्राम सोना बरामद करने की जानकारी दी थी, ये बरामदगी उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा में गड़बड़ी की जांच के संबंध में हुई थी।

जोधपुर में गरजे जापानी फाइटर जेट-वीर गार्जियन युद्धाभ्यास का पाकिस्तानी कनेक्शन

जोधपुर(एजेंसी)। जोधपुर एयरबेस पर जापानी शक्तिशाली एफ-2ए फाइटर जेट पहुंच चुके हैं, जहाँ वे भारतीय वायुसेना के सुखोई-30एमकेआई विमानों के साथ संयुक्त हवाई युद्धाभ्यास वीर गार्जियन में हिस्सा ले रहे हैं। 9 से शुरू होकर 22 सितंबर तक चलने वाला अभ्यास हवा से हवा में मुकाबला, डॉगफाइट, रात्रि अभियान और हवा में ईंधन भरने जैसी जटिल तकनीकों पर केंद्रित है। इसका प्राथमिक लक्ष्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हवाई-समुद्री अभियानों में सहयोग बढ़ाना है, साथ ही पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 फाइटर जेट्स से निपटने की भारतीय क्षमता को मजबूत करना महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इस युद्धाभ्यास में जापान के एफ-2ए फाइटर जेट की भूमिका विशेष रूप से अहम है। मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज और अमेरिकी लॉकहीड मार्टिन के सहयोग से विकसित यह विमान अमेरिकी एफ-16 के डिज़ाइन पर आधारित है, लेकिन जापान ने अपनी विशिष्ट समुद्री सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप इसमें पंखों, रडार और अन्य प्रणालियों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। एफ-2ए फाइटर के साथ अभ्यास वायुसेना को एफ-16 जैसे विमानों से जुड़े खतरों का सामना करने का अमूल्य अनुभव प्रदान कर रहा है, क्योंकि पाकिस्तान के पास भी अमेरिकी एफ-16 फाइटर फाल्कन विमानों का बेड़ा है। यह प्रशिक्षण भारतीय वायुसेना को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और राडार से चकमा देने की रणनीतियाँ विकसित करने में सीधी मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि 27 फरवरी 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान भारतीय वायुसेना का सामना एफ-16 फाइटर जेट से हुआ था, जिसमें विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने अपने मिग-21 बाइसन से एक पाकिस्तानी एफ-16 जेट को मार गिराया था। वीर गार्जियन अभ्यास का यह दूसरा चरण है। इससे पहले जनवरी 2023 में भारतीय वायुसेना के चार एसयू-30एमकेआई विमानों ने जापान के हयाकुरी एयरबेस पर जापान के एफ-2 और एफ-15 लड़ाकू विमानों के साथ प्रशिक्षण लिया था।

हवा में फेल हुआ अलायंस एयर का इंजन, दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग , सभी सवार 40 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलायंस एयर की एक फ्लाइट का इंजन हवा में खराब हो जाने के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर उसकी आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इस घटना में विमान में सवार क्रू मेंबर्स सहित सभी 40 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। अलायंस एयर की फ्लाइट संख्या ने दोपहर करीब 12:33 बजे प्रयागराज से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान, जब विमान मेरठ के आसपास था, पायलट को एक इंजन में तकनीकी खराबी का पता चला। स्थिति की गंभीरता को देखकर पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को इसकी सूचना दी और दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। सूचना मिलते ही आईजीआईए पर तत्काल आपातकाल घोषित किया। टर्मिनल-1 के रनवे-4 पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गईं। लगभग 30 मिनट तक रनवे को पूरी तरह से खाली रखा गया। विमान ने अपने दूसरे इंजन की मदद से दोपहर करीब 2:15 बजे सफलतापूर्वक और सुरक्षित लैंडिंग की। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गंभीर तकनीकी खराबी की जांच के आदेश दे दिए हैं। यह वहीं विमान था जो सुबह बिलासपुर से प्रयागराज पहुंचा था और कुछ देर बाद दिल्ली के लिए रवाना हुआ था।

गोमती पुस्तक महोत्सव शुरू: सीएम योगी बोले- किताबें देती हैं दुनिया समझने की ताकत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ हुआ। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोत्सव का उद्घाटन कर कहा कि डिजिटल युग में भी युवाओं का किताबों से जुड़ाव बना हुआ है। उन्होंने कहा कि युवा पढ़ना चाहते हैं, आवश्यकता सिर्फ किताबों को उन तक सुगमता से पहुंचाने की है। मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक एग्जाम वॉरियर्स पढ़ने की अपील भी की। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बढ़ती स्क्रीन टाइम पर चिंता व्यक्त कर कहा कि स्क्रीन हमें दुनिया दिखाती है, लेकिन पुस्तकें हमें दुनिया को समझने की वास्तविक शक्ति देती हैं। उन्होंने किताबों को ज्ञान, विचार, संस्कार और कल्पनाशक्ति विकसित करने का माध्यम बताया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। विरोध प्रदर्शन की आशंका के चलते समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई के कुछ सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। नौ दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में 121 प्रकाशक करीब 250 स्टॉलों पर हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अवधी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं की हजारों पुस्तकें उपलब्ध करा रहे हैं। 20 सितंबर तक चलने वाले पुस्तक महोत्सव में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है।

किसानों का अनोखा विरोध: सर्वेक्षकों को पेटीकोट पहनाकर लिपस्टिक लगा पूरे गांव में घुमाया

-सर्वे के नाम पर कथित अवैध वसूली से आक्रोशित थे किसान

महोबा (एजेंसी)। महोबा में फसल बर्बादी के सर्वे के नाम पर कथित अवैध वसूली से आक्रोशित किसानों ने अनूठा विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए किसानों ने सर्वे करने पहुंचे कुछ लोगों को पकड़ा और उन्हें ब्लाउज-पेटीकोट पहनाकर, गले में जूतों की माला डालकर, लिपस्टिक लगा पूरे गांव में घुमाया। बाद में इन व्यक्तियों को पुलिस के हवाले किया। घटना के बाद, बीजेपी विधायक बृज भूषण राजपूत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने पूरे मामले को नया मोड़ दिया है। वायरल वीडियो में विधायक कथित तौर पर ग्रामीणों से वीडियो कॉल पर बात करते हुए सुनाई दे रहे हैं। वे स्पष्ट रूप से कहते हैं कि पैसे लेने वालों को पेटीकोट और चूड़ियां पहनाओ, लिपस्टिक लगाओ, गले में जूतों की माला डालकर मुंह काला करो व पूरे गांव में घुमाओ। उन्होंने पुलिस के हवाले करने से पहले उन्हें न मारने की सलाह दी। यह घटना तब हुई जब महोबा में बर्बाद हुई फसलों के नुकसान का सर्वे चल रहा था। इसी दौरान, किसानों ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सर्वे के नाम पर अवैध वसूली कर रहे थे। विधायक का वीडियो सामने आने के बाद उनकी भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि यह दावा किया जा रहा है कि ग्रामीणों ने विधायक के निर्देशों पर ही यह कार्रवाई की। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि और पूरे घटनाक्रम की पुलिस जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस द्वारा कथित अवैध वसूली के आरोपों की भी गहनता से जांच की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वास्तव में किसानों से पैसे मांगे गए थे या नहीं।

सर्पदंश के इलाज में भारतीय वैज्ञानिकों को मिली बड़ी सफलता

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने सर्पदंश के इलाज की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। वैज्ञानिकों ने ऐसा रीकॉम्बिनेंट एंटीवेनम विकसित किया है. जो भारत में पाये जाने वाले कई जहरीली कोबरा प्रजातियों के घातक विष को निष्क्रिय करने में सक्षम है। यह शोध ढ्ढस्ष्ट के वैज्ञानिकों ने टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क के सहयोग से किया है।

बांग्लादेश में बिजली संकट का गहराया खतरा: अडानी प्लांट में गंभीर तकनीकी खराबी

कोलकाता, एजेंसी।
झारखंड स्थित अडानी पावर के गोड्डा अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट की एक 800 मेगावाट यूनिट में अचानक आई गंभीर तकनीकी खराबी ने बांग्लादेश के राष्ट्रीय बिजली ग्रिड पर भारी दबाव डाल दिया है। इस अप्रत्याशित गड़बड़ी से बांग्लादेश को होने वाली बिजली आपूर्ति में बड़ी कटौती दर्ज की गई है, जिससे ढाका सहित देश के कई प्रमुख इलाकों में बड़े पैमाने पर लोड-शेडिंग का खतरा बन गया है। यह झटका तब आया है जब बांग्लादेश पहले से ही आर्थिक तंगी और ईंधन की कमी से जूझ रहा है, जहां पूरे देश में बिजली की मांग चरम पर है। अंतरिम सरकार के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। बिजली अधिकारियों के अनुसार, अडानी पावर की यूनिट की मरम्मत और दोबारा ग्रिड से जोड़ने में कुछ समय लग सकता है, जिससे दोनों देशों के बीच जारी बिजली आपूर्ति समझौते और बांग्लादेश के ऊर्जा संकट की चुनौतियां बढ़ गई हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, बांग्लादेश में 136 पावर प्लांट होने के बावजूद, कोयले, गैस और तेल की कमी के कारण मांग के मुताबिक बिजली पैदा करने में मुश्किल हो रही है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के कारण कई प्लांट अक्सर बंद रहते हैं या अपनी क्षमता से कम पर चल रहे हैं। इस घटनाक्रम को लेकर बांग्लादेशी एक्सपर्ट्स गंभीर आरोप लगा रहे हैं।

अडानी पावर ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है, लेकिन सूत्रों ने प्लांट की एक यूनिट में खराबी की पुष्टि की है और उम्मीद जाहिर की हैं कि 3-4 दिनों के भीतर ठीक किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, समस्या बॉयलर में आई है, इस ठीक करने का काम शुरू करने से पहले ठंडा होने में करीब 48 घंटे लग सकते हैं। इसके चलते बिजली उत्पादन को सामान्य होने में कई दिन लगने की संभावना है। यह जानकारी पावर ग्रिड कंपनी और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) के सूत्रों ने दी है, जिन्होंने 2017 में अडानी पावर के साथ बिजली खरीद समझौता किया था।

लद्दाख में पदयात्रा के लिए वांगचुक ने सीजेपी से मांगी मदद

बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
26 दिन तक अनशन करके जंतर-मंतर पर एक आंदोलन में जान फूंकने वाले सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अब उसी आंदोलन से जुड़े कॉकरोचों (अपने समर्थकों) से मदद मांगी है। उन्होंने अपनी पिछली भूख हड़ताल की याद दिलाते हुए लद्दाख में अपनी मुहिम के लिए साथ मांगा है। वांगचुक ने 19 से 24 सितंबर तक लद्दाख में एक पदयात्रा का ऐलान किया है और इसमें शामिल होने की अपील की है। आंदोलन के मुखिया अभिजीत दीपके ने वांगचुक के ट्वीट के कई घंटों बाद सकारात्मक प्रतिक्रिया तो दी, लेकिन यह साफ नहीं किया है कि वह या उनकी टीम इसमें शामिल होगी या नहीं।

लद्दाख में लोकतांत्रिक ढांचे की बहाली सहित अन्य मांगों को लेकर केंद्र सरकार से बातचीत के लिए दिल्ली आए सोनम वांगचुक ने एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि वह दिल्ली में उस जगह के बगल में हैं जहां उन्होंने उनके साथ कई हफ्ते भूखे रहकर बिताए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी प्रदर्शन या अनशन के लिए नहीं, बल्कि लद्दाख की संस्कृति, प्रकृति और भूमि के संरक्षण के लिए गृह मंत्रालय के साथ चल रही बातचीत की कड़ी में यहां आए हैं। सरकार के साथ अपनी बैठक को लेकर सोनम वांगचुक ने निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बैठक में केवल चाय अच्छी थी और कोई नया कदम नहीं उठाया गया। वांगचुक के अनुसार, पुराने हो चुके फैसलों, जैसे लद्दाख में विधानसभा बनाने और उसे पूरा प्रशासन सौंपने की भावना का उल्लंघन करने की प्रक्रिया चल रही है, उसे रोकने का भी कोई आश्वासन नहीं मिला। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि एलजी प्रशासन बहुत बड़े-बड़े फैसले लेने में लगा है, जिसके बाद लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। वांगचुक ने कहा, हमने सरकार से छोटी सी आश्वासन की उम्मीद की थी कि जब तक लद्दाख में लोकतांत्रिक ढांचा न आ जाए, तब तक एलजी ऐसे बड़े फैसले न लें। हमें इसका इंतजार है।

सोनम वांगचुक ने अपने समर्थकों को लद्दाख में आयोजित होने वाली पांच दिवसीय पदयात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि आप हमारी मदद के लिए आएं। हम लद्दाख में 19 से 24 सितंबर तक एक बड़ी पदयात्रा करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि उन्हें एक सप्ताह में सरकार से आवश्यक आश्वासन मिल जाता है, तो वे इसे शहीदों की याद में एक यादगार पदयात्रा के रूप में मनाएंगे, जिन्होंने लद्दाख के लिए अपनी जान दी। अन्यथा, इसे पूरे भारत की जनता की तरफ से एक बड़े प्रदर्शन में बदला जाएगा ताकि लद्दाख के साथ न्याय हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह केवल लद्दाख के लिए नहीं है, क्योंकि लद्दाख हिमालय का वह क्षेत्र है जहां से देश को पानी और साफ हवा मिलती है। उन्होंने कहा कि लद्दाख के लोगों ने बिना वर्दी और वेतन के हर युद्ध में देश की रक्षा की है, और अब देश को लद्दाख की रक्षा में आगे आने की जरूरत है। सोनम वांगचुक की शुक्रवार शाम की अपील पर शनिवार सुबह अभिजीत दीपके ने एक शब्द में जवाब दिया। उन्होंने वांगचुक का वीडियो शेयर करते हुए केवल स्टैंड विद लद्दाख लिखा। हालांकि, इससे यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि वह या उनकी टीम लद्दाख में पांच दिवसीय पदयात्रा में शामिल होंगे या नहीं। खबर लिखे जाने तक दीपके के अलावा अन्य प्रमुख नेताओं ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

ब्रिक्स में अजमेर शरीफ के हाजी सलमान चिश्ती ने दिया एकता का संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में 12 सितंबर से 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की शुरुआत हुई। इस महत्वपूर्ण मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैसे वैश्विक नेता एक साथ दिखाई दिए। इसी के मद्देनजर देशभर से कई धार्मिक नेताओं को भी इस सम्मेलन में आमंत्रित किया गया। ब्रिक्स समिट में शिरकत करने आए अजमेर शरीफ दरगाह के गद्दी नशीन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने आपसी भाईचारे और सौहार्द को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं।

हाजी सलमान चिश्ती ने एक बातचीत में कहा कि आज ब्रिक्स समिट के तहत पूरे भारत से आध्यात्मिक नेता यहां आए हैं। उन्होंने आपसी सौहार्द बनाए रखने को लेकर कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक सदियों से यही संदेश रहा है कि सभी से प्यार करें और किसी से नफरत न करें। यह संदेश भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है,

जहां विभिन्न धर्मों के लोग सदियों से सद्भाव में रहते आए हैं। अजमेर शरीफ दरगाह के गद्दी नशीन ने अपने संबोधन में आगे कहा, मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा संदेश है कि भारत की धरती पर पूरी दुनिया के लोग जुटे हैं। ब्रिक्स समिट हो रही है, दुनिया भर के नेता यहां हैं और आज संदेश बिल्कुल साफ है। कोई अन्याय नहीं। अन्याय का कोई स्थान नहीं है और भारत ने हमेशा न्याय, करुणा, दया और एकता के मूल्यों को बनाए रखा है। सलमान चिश्ती ने जोर देकर कहा कि पूरी दुनिया एक परिवार है और हम सब मिलकर सबकी सेवा कर रहे हैं। यह बात भारतीय दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम् को दर्शाती है, जिसका अर्थ है पूरी पृथ्वी एक परिवार है। ईरानी दूतावास की तरफ से भारत के कई धार्मिक नेताओं को ब्रिक्स समिट में शिरकत के लिए बुलाया गया था। इस दौरान अजमेर शरीफ दरगाह के अलावा भी कई अन्य धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भारत के धार्मिक नेताओं और बुद्धिजीवियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं भारत सरकार और प्रधानमंत्री की शानदार मेजबानी के लिए उनकी तारीफ करना चाहता हूं। हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई है और मुझे उम्मीद है कि ये बातचीत और संबंध संस्कृति, टेक्नोलॉजी, व्यापार, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और दूसरे क्षेत्रों में सहयोग और आपसी समझ को बढ़ाने का रास्ता साफ करेंगे। यह सम्मेलन वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ विभिन्न देशों और संस्कृतियों के बीच संवाद और समझ को बढ़ावा देने का एक मंच बन गया।

सिंधु सीमा पर दीवारों पर आपत्तिजनक नारे और भित्तिचित्र बनाने के मामले में 3 गिरफ्तार

खालिस्तारी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक पोस्ट में इस कृत्य की ली थी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के इशारे पर सिंधु बॉर्डर पर खालिस्तान समर्थक भित्तिचित्र बनाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली और हरियाणा राज्यों के बीच स्थित सिंधु सीमा पर दीवारों पर आपत्तिजनक नारे और भित्तिचित्र 6 सितंबर को बनाए गए थे। प्रतिबंधित समूह सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक्स पर एक पोस्ट में इस कृत्य की जिम्मेदारी ली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांचकर्ताओं को सिंधु सीमा पर लगे सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों के बारे में सुराग मिले, जिसके आधार पर पुलिस टीम ने तीनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई कार भी बरामद कर ली है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपियों में से एक पन्नू के सीधे संपर्क में था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना तब हुई जब विदेशों में सक्रिय खालिस्तान समर्थक संगठनों ने आईएसआई के सीधे निर्देशों के तहत अपने परिचालन ढांचे में बदलाव किया और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए हिंसक अपराध से ध्यान हटाकर राजनीतिक प्रचार की ओर किया। अब जब अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां खालिस्तान मुद्दे पर भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं, तो इन समूहों ने अपने काम करने के तरीके को बदलने का फैसला किया है।

आइए, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों का एक साथ करते हैं ऑडिट

पायलट के सीजेपी को लेकर दिए बयान पर आप नेता सिसोदिया का चैलेंज

नई दिल्ली,, एजेंसी।
क्या कॉकरोच जनता पार्टी पक्षपाती हो गई है? क्या सीजेपी किस राज्य में किस पार्टी की सरकार है, इसे देखकर मापदंड तय करती है? ये सवाल कांग्रेस के नवनियुक्त पंजाब प्रभारी सचिन पायलट के हमले के बाद उठने लगे हैं। सचिन पायलट ने कहा कि सीजेपी को आम आदमी पार्टी शासित पंजाब में स्कूलों की उसी साहस के साथ जांच करनी चाहिए, जिसके साथ वह अन्य राज?यों में करती है। पायलट के इस बयान के बाद आम आदमी पार्टी उनपर हमलावर हो गई है।

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सचिन पायलट को ही चैलेंज कर दिया। उन्होंने कहा कि वे पंजाब में 1000 शानदार स्कूल दिखा सकते हैं, क्या सचिन पायलट कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में ऐसे 1000 स्कूल दिखा सकते हैं? इस तरह चुनावी राज्य पंजाब में स्कूलों की गुणवत्ता पर राजनीति शुरू हो गई है। पायलट की यह टिप्पणी पंजाब के लुधियाना में सीजेपी द्वारा तीन स्कूलों के ऑडिट के बाद आई है। सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास के नेतृत्व में एक टीम ने इन स्कूलों का दौरा किया था। टीम ने एक सरकारी 'स्कूल ऑफ एमिनेंस', एक सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल और एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इसमें एक स्कूल में अच्छी सुविधाओं का उल्लेख किया गया, जबकि अन्य में कुछ कमियां मिली। आम आदमी पार्टी ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कमियों को दूर करने की बात कही है।

पायलट ने पंजाब में स्कूलों के ऑडिट को लेकर आम आदमी पार्टी और सीजेपी पर निशाना साधा है। शुक्रवार को पायलट ने कहा कि पंजाब या देश के किसी भी हिस्से में स्कूलों का ऑडिट स्वागत योग्य है। उन्होंने मांग की कि पंजाब में भी ऑडिट उसी नजरिए, उन्हीं सवालों और उसी साहस के साथ किया जाना चाहिए, जिस तरह अन्य राज्यों की सरकारों का ऑडिट किया जाता है। पायलट ने कहा कि पंजाब किसी विशेष छूट का हकदार नहीं है और आप को भी किसी तरह की 'दोस्ताना छूट' नहीं मिलनी चाहिए।

आप नेता और दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम ऐसे 1,000 बेहतरीन स्कूल दिखा सकते हैं। आइए, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों का एक साथ ऑडिट करते हैं। बोलिए! क्या आप यह चुनौती स्वीकार करते हैं?' बीजेपी शासित

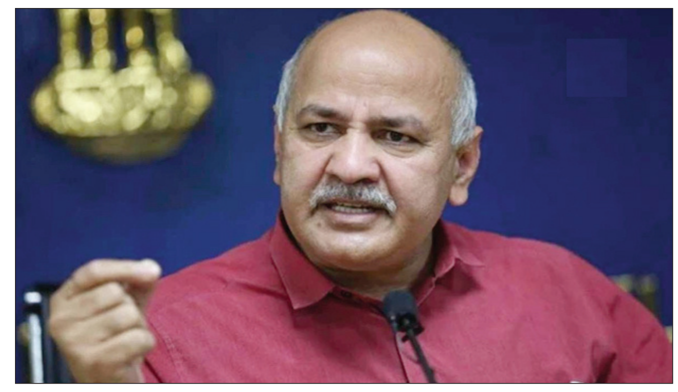

राजस्थान के जर्जर स्कूलों का पायलट द्वारा किए जा रहे बचाव पर सवाल उठाते हुए आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने पूछा कि आप इस रिश्ते को क्या नाम देते हैं? उन्होंने आगे कहा कि हम साथ जाकर इन स्कूलों का ऑडिट भी कर सकते हैं। बताइए, क्या आप इसके लिए तैयार हैं?

ब्रिक्स देशों की साझेदारी दुनिया में शांति, स्थिरता, व्यापार और तकनीक के लिए सहायक सिद्ध हुआ: चरणजीव मल्होत्रा

नई दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी, गऊमाता सेवक व करोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि नई दिल्ली भारत मंडपम में ब्रिक्स सम्मेलन के भव्य आयोजन की मेजबानी किया गया । भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि आज सारी दसारी दुनिया बुद्ध के देश भारत की और आशा भरी निगाहों से देख रही है। ब्रिक्स सम्मेलन भारत के लिए वैश्विक स्तर पर अपनी आर्थिक, तकनीकी और कूटनीतिक भूमिका को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बैठक भारत के व्यापार, उद्योग, अर्थव्यवस्था, तकनीक और डिजिटलाइजेशन को नई गति देने वाली साबित हुई । उनके मुताबिक, दुनिया के अलग-अलग देशों के नेताओं के साथ होने वाली बातचीत से भारत को वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति और मजबूत करने का मौका मिला। चरणजीव मल्होत्रा कहा कि भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। इसके लिए भारत हर मंच पर अपनी बात रखता है। ब्रिक्स देशों के नई दिल्ली समिट से वैश्विक पटल पर भारत की छवि को चार चांद लगा हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। आबादी की दृष्टि से चीन भी विश्व में दूसरे स्थान पर है। रुस भी विश्व की ब ?ी ताकतें में एक है और वह भारत का भरोसेमंद देश है। उन्होंने ने कहा कि ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में दुनिया में एक नए युग का

सूर्योदय हुआ है। राष्ट्रपति पुतिन, शी जिनपिंग और नरेंद्र मोदी दुनिया की बढ़ी ताकतों में एक हैं। इनके साझा प्रयास मानवता के हित में कीर्तिमान स्थापित किया। रक्षा, व्यापार, सांस्कृतिक संबंध इससे सुदढ़ हुआ। सम्मेलन के माध्यम से भारत न केवल सदस्य देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को नई दिशा दिया है, बल्कि तकनीक, निवेश, ऊर्जा, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में भी सहयोग को बढ़ावा दिया है। इसी विषय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि ब्रिक्स भारत के लिए केवल अंतरराष्ट्रीय बैठकों का मंच नहीं, बल्कि देश के आर्थिक विकास और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है। ऐसे दौर में भारत के लिए जरूरी है कि वह दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपने व्यापारिक और तकनीकी संबंधों को मजबूत किया। ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग बढ़ने से भारतीय उद्योगों, कारोबारियों और स्टार्टअप्स के लिए नए बाजार खुल सकते हैं। इससे निर्यात को ब ?ावा मिलने के साथ-साथ देश में रोजगार के अवसर भी पैदा होने की उम्मीद है। चरणजीव मल्होत्रा के अनुसार ब्रिक्स सम्मेलन भारत के व्यापार क्षेत्र के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत के पास कृषि, फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, आईटी सेवाओं, इंजीनियरिंग उत्पादों, वस्त्र और अन्य क्षेत्रों में मजबूत क्षमता है। यदि ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाता है और आपसी सहयोग बढ़ाया जाता है, तो भारतीय कंपनियों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है चरणजीव मल्होत्रा ने कहा भारत जिस तेजी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है आने वाला समय तकनीक और डिजिटल अर्थव्यवस्था का है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, क्लाउड कंप्यूटिंग, फिनटेक और अन्य आधुनिक तकनीकों में सहयोग भारत के लिए बड़ी संभावनाएं पैदा कर सकता है।

डीपीसीसी सख्त, अवैध बोरवेल के खिलाफ होगी कार्रवाई

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। राजधानी में अवैध बोरवेल के जरिए भूजल दोहन को रोकने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को अवैध बोरवेलों पर कार्रवाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की जानकारी सौंपी है। कार्रवाई रिपोर्ट में डीपीसीसी ने अदालत को बताया कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को अवैध बोरवेल की पहचान करना, संबंधित एसडीएम को उसे सील करना और डीपीसीसी को पर्यावरणीय क्षति मुआवजा (ईडीसी) लगाना इसमें शामिल है। एनजीटी ने हाल ही में अवैध बोरवेलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके तहत डीपीसीसी ने अपनी एसओपी तैयार की है। इस एसओपी में अवैध बोरवेलों की पहचान, उनके खिलाफ कार्रवाई, और उन्हें सील करने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया है। डीपीसीसी ने यह भी सुनिश्चित किया है कि सभी जिला प्रशासनों और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई को प्रभावी बनाया जाए। एनजीटी ने एक मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया था। इसमें दावा किया गया है कि मयूर विहार में नोएडा लिंक रोड से सटे यमुना के किनारे बोरवेल के जरिए भूजल का कथित अवैध दोहन हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, डीपीसीसी ने 26 जून, 2025 को जिला मजिस्ट्रेट (पूर्व) को एक पत्र जारी किया, जिसमें उनसे मामले की जांच करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, राजस्व कार्यालय को बोरवेल की जानकारी जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के लिए कहा, ताकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार उपयुक्त पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाई जा सके। वहीं, केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) ने 27 मई, 2025 के निर्देशों के तहत एक मीडिया रिपोर्ट में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए डीजेबी, केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी), डीपीसीसी, सीपीसीबी, डीएम (पूर्व) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के प्रतिनिधियों वाली एक समिति गठित की है। इसके अलावा, सीजीडब्ल्यूए ने संबंधित विभागों को इस संयुक्त समिति के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का निर्देश दिया है। इसमें डीजेबी संयुक्त समिति की नोडल एजेंसी होगी। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के मुख्य सचिव ने 12 जून 2020 को नगर निगम अधिकारियों, दिल्ली जल बोर्ड, डीपीसीसी और दिल्ली के जिलाधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। दिल्ली सरकार ने भूजल के अवैध दोहन की रोकथाम के लिए भूजल दोहन का विनियमन, बंद करना, बोरवेल-ट्यूबवेल के उपयोग से संबंधित अवैध गतिविधियों पर प्रतिबंध शीर्षक से एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की है। इसके मुताबिक, सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना घरेलू, वाणिज्यिक, कृषि या औद्योगिक उपयोग के लिए बोरवेल या ट्यूबवेल के माध्यम से भूजल निकालना अवैध और कानूनी अधिकार के बिना माना जाएगा।

बड़े गिरोह का भंडाफोड़, दो वर्षों में 500 लोगों की तस्करी कर चुका है गैंग

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक किशोर और दो नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है। गिरोह के सदस्य रेलवे स्टेशनों पर कमजोर नाबालिगों और मजदूरों को निशाना बनाकर जम्मू-कश्मीर भेजते थे। वहां उन्हें बिना पैसे दिए घरेलू कार्य और बंधुआ मजदूरी कराई जाती थी। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि किशोरों के लिए 20 हजार से 25 हजार जबकि लड़कियों के एवज में 60 हजार रुपये तक वसूलते थे। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी के अनुसार यह गिरोह दलालों और प्लेसमेंट एजेंटों के नेटवर्क के जरिये काम करता था। ये पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर गरीब और बेसहारा बच्चों और मजदूरों को बेहतर खानपान और रुपयों का लालच देकर फंसाते थे। पुलिस उपायुक्त स्वामी ने बताया कि गिरोह के सदस्य गांदरबल (जम्मू-कश्मीर) निवासी सलीम-उल-रेहमान उर्फ वसीम (38), बेगमपुर (दिल्ली) निवासी सूरज (31), रामपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी मोहम्मद तालीब और बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) निवासी सतनाम सिंह उर्फ सरदार को गिरफ्तार किया गया है। सलीम पिछले दो वर्षों के दौरान 500 लोगों की तस्करी कर चुका है और प्रत्येक पीड़ित के बदले भारी कमीशन वसूला है। तालीब के पास से यूपी पुलिस के उप-निरीक्षक का फर्जी पहचान पत्र भी बरामद हुआ है। आरोपी इसका इस्तेमाल गिरफ्तारी से बचने और पीड़ितों की यात्रा को आसान बनाने के लिए करता था। उपायुक्त स्वामी ने बताया कि इस गिरोह का खुलासा उस समय हुआ जब भलस्वा डेरी थाने में 15 और 13 साल की दो लड़कियों के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई। टेक्निकल सर्विलांस के जरिये इन लड़कियों की लोकेशन श्रीनगर में ट्रेस की गई। पुलिस टीम ने 15 जून को दोनों नाबालिगों को श्रीनगर से सुरक्षित बरामद कर लिया और दोनों को दिल्ली लाया गया। बाल कल्याण समिति के समक्ष दर्ज बयान में पीड़ितों ने बताया कि उन्हें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से बहलाया-फुसलाया गया और फिर श्रीनगर ले जाकर जबरन घरेलू काम कराया गया। बयानों के आधार पर 14 अगस्त को वसीम और सूरज को प्रहलाद विहार से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सलीम ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह श्रीनगर में %%%%वीए मैनपावर प्राइवेट लिमिटेड नामक एजेंसी चलाता था और पिछले दो साल में 500 लोगों को कश्मीर में बेच चुका है। सूरज ने बताया कि वह दिल्ली में एजेंटों के लिए ट्रांसपोर्टर का काम करता था और उसने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास सक्रिय कई साथियों के नाम बताए। पुलिस ने 19 अगस्त को श्रीनगर में की गई छापेमारी के दौरान तालीब और सतनाम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से 16 वर्षीय एक किशोर को मुक्त कराया था। उन्होंने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों शहबाज खान, नरेश, रोहित पांडे और सोहेल अहमद की भूमिका की जांच की जा रही है।

13 की उम्र में पहली हत्या 16 में बन गया शातिर

नई दिल्ली। मालवीय नगर में खूनी खेल को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी नाबालिग है। 13 साल की उम्र में हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले 16 वर्षीय नाबालिग पर कत्ल, हत्या का प्रयास समेत पांच मामले दर्ज हैं।

देवरानी की गला घोंटकर हत्या में पांच साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। देवरानी की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में एक महिला पांच साल तक पुलिस को चकमा देती रही। अब आखिर अपराध शाखा की टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान बदायूं, यूपी निवासी कौशल्या देवी के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वर्ष 2019 में कौशल्या ने अपने पति व देवर के साथ मिलकर देवरानी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में कौशल्या के पति राम अवतार और देवर ब्रह्म सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। कौशल्या फरार हो गई थी। इस दौरान यह कई राज्यों में छिपती रही। अब पुलिस ने इसे दिल्ली के गांधी नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में नीरज (23) नामक महिला की उसके घर में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से हत्या की बात साफ हुई। पुलिस ने नीरज के परिजनों के बयान पर हत्या, दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। मामले में पुलिस ने नीरज के पति ब्रह्म सिंह, कौशल्या के पति राम अवतार को दबोच लिया। इस बीच कौशल्य फरार हो गई। जांच के दौरान कौशल्या के मध्य प्रदेश में छिपे होने का पता चला। दिल्ली की अदालत ने 23 मार्च 2023 को कौशल्या को भगोड़ा घोषित कर दिया। इस बीच महिला दिल्ली के गांधी नगर इलाके में छिपकर रहने लगी। कौशल्या को गांधी नगर से पुलिस ने दबोच लिया। वह सिलाई की फैक्टरी में मजूदूरी कर रही थी।

दोस्त को तो बचा लिया लेकिन खुद डूब गया किशोर

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में शुक्रवार शाम बाढ़ के पानी में डूबने से किशोर की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त मोहम्मद कैफ (14) के रूप में हुई है। कैफ अपने दोस्त के साथ बाढ़ के पानी में मछली पकड़ने आया था। इस दौरान उसका दोस्त नहाने के लिए पानी में उतर गया और डूबने लगा। कैफ ने हिम्मत दिखाकर उसे तो बचा लिया लेकिन खुद डूब गया। दोस्त ने शोर मचाया तो लोगों ने पुलिस व बचाव दल को खबर दी। पुलिस, दमकल की टीम के अलावा एनडीआरएफ व अन्य बचाव दल की टीमें वहां पहुंचीं। कैफ को पानी से निकालकर नजदीकी अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम कराकर उसका शव परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। हादसे के बाद से कैफ के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कैफ दो भाइयों में बड़ा बेटा था।

दिल्ली में इस महीने 57 फीसदी मुफ्त राशन वितरण का काम पूरा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) और वन नेशन वन राशन कार्ड (ओएनओआरसी) योजना के तहत इस महीने दिल्ली में 57 फीसदी राशन वितरण का काम पूरा किया गया है। इसमें 1.45 लाख प्रवासी भी शामिल हैं। रविवार को दिल्ली सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई है। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत सितंबर माह के राशन वितरण की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 57 फीसदी मुफ्त राशन वितरित हो गया है। इसके अलावा, वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत 1,45,610 प्रवासी लाभार्थियों ने दिल्ली में अपना राशन लिया है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी राशन दुकानें खुली रहें और वहां जरूरी जानकारी जैसे निगरानी समिति का विवरण, श्रेणी-वार पात्रता, स्टॉक की स्थिति, लाभार्थियों की संख्या, हेल्पलाइन नंबर और ओएनओआरसी योजना की पात्रता की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि राशन वितरण में कोई कमी न आए और बारिश के कारण प्रभावित लोगों को तत्काल मदद मिले। मंत्री ने कहा, ओएनओआरसी योजना प्रवासियों के लिए वरदान साबित हुई है और खासकर दिल्ली इस मामले में देश में अग्रणी राज्यों में शामिल है। यहां राशन वितरण की प्रक्रिया सुचारु और पारदर्शी हुई है। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी जरूरतमंद भोजन से वंचित न रहे। इसके लिए राजस्व विभाग के साथ मिलकर तैयार भोजन के पैकेट भी बांटे गए हैं।

मादक पदार्थ की तस्करी में फरार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। मादक पदार्थ की तस्करी में फरार चल रहे आरोपी को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अमित कुमार झा उर्फ हरिकांत झा (45) के रूप में हुई है। वर्ष 2018 के एक मामले में भगोड़ा घोषित था। इसके अलावा वर्ष 2023 के एक मामले में अदालत ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया हुआ था। अपराध शाखा की टीम आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल एक आरोपी खजूरी चौक के पास आने वाला है। आरोपी दिल्ली से बाहर भागने की फिराक में है। खबर मिलने के बाद टीम ने खजूरी के पास अपना जाल बिछा दिया। इस बीच आरोपी अग्रवाल स्वीट्स के पास पहुंचा। आरोपी शास्त्री पार्क की ओर निकलने की तैयारी कर रहा था।

वर्षों की दोस्ती...चलती कार में दोस्त का दिया कत्ल

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले के पुन्हाना से करीब दस दिन से लापता चल रहे शहर के मशहूर डॉक्टर विनोद गोयल हत्याकांड का शनिवार को पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि डॉक्टर की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उनके परम मित्र दीपक राजस्थानी ने अपने फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ मिलकर की थी। हत्या का कारण दोनों दोस्तों के बीच पैसों का लेन-देन बताया जा रहा है। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को हरिद्वार में बहती गंगा नदी में फेंक दिया। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब घटना के दौरान उनके साथ गए कार चालक मुस्तकीम को शक हुआ और उसने हिम्मत दिखाते हुए पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने मुस्तकीम को सरकारी गवाह बनाया है। इस खुलासे के बाद पूरे शहर में शहर में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। डीएसपी जितेंद्र राणा ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 28 अगस्त की रात रोजाना की तरह डॉ विनोद गोयल अपने मित्र दीपक और उसकी फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ दीपक की कार में घूमने निकले थे। देर रात दीपक और अशोक ने सुनियोजित तरीके से डॉ विनोद गोयल का गला कप ? से घोंट दिया। हत्या के बाद शव को शहर से बआक्रोश और शोक की लहर दौ ? गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। शहर के मशहूर डॉक्टर विनोद गोयल की हत्या दोस्ती पर रुपयों के भारी पड़ने की है। वहीं, डॉक्टर के कार चालक मुस्तकीम की हिम्मत की कहानी भी है। करीब एक सप्ताह तक कशमकश में रहने के बाद मुस्तकीम खुद को रोक नहीं पाए और पुलिस को जाकर पूरी जानकारी दी। तभी इस मामले का खुलासा हो पाया। इसके बाद पुलिस ने मुस्तकीम को सरकारी गवाह बनाया है। वहीं, इस खुलासे के बाद पूरे शहर में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। डीएसपी जितेंद्र राणा ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 28 अगस्त की रात रोजाना की तरह डॉ विनोद गोयल अपने मित्र दीपक और उसकी फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ दीपक की कार में घूमने निकले थे। देर रात दीपक और अशोक ने सुनियोजित तरीके से डॉ विनोद गोयल का गला कप ? से घोंट दिया। हत्या के बाद शव को शहर से बाहर घी ?ा मो ? स्थित दीपक की बर्तन फैक्टरी में कंबल में लपेटकर छिपा दिया।

अगले दिन सुबह दोनों आरोपियों ने शव को फैक्टरी से कार में डालकर हरिद्वार की ओर रुख किया। इस दौरान उनके साथ कार चालक मुस्तकीम भी था, लेकिन उसे हत्या की जानकारी नहीं दी गई। रास्ते में दीपक और अशोक बार-बार गा ?ी में खुशबूदार स्प्रे करते रहे ताकि किसी को कोई गंध न आए। हरिद्वार पहुंचने से कुछ दूरी पहले दोनों ने चालक को चाय पानी पीने के लिए गाड़ी से उतार दिया और खुद शव को एक पुल से गंगा नदी में बहा दिया। वापसी में चालक को फिर कार में बैठा लिया और ऐसे व्यवहार किया जैसे कुछ हुआ ही नहीं। डीएसपी जितेंद्र राणा ने बताया कि मुस्तकीम को दीपक और अशोक की हरकतों पर शक हुआ। वह कई दिनों तक मानसिक तनाव में रहा। आखिरकार उसने पुलिस के सामने पेश होकर पूरी सच्चाई बयान कर दी। उसी की जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक राजस्थानी को हिरासत में ले लिया। जबकि अशोक की तलाश में पुलिस की टीम लगातार दबिश दे रही है। डॉ. विनोद गोयल शहर के जाने-माने चिकित्सक थे और क्षेत्र में उनका खासा सम्मान था। उनकी हत्या की खबर जैसे ही फैली, लोगों के आंसू नहीं थम पाए। शहर के लोग विश्वास नहीं कर पा रहे कि जिस दोस्त के साथ डॉक्टर ने वर्षों का रिश्ता निभाया, वही उनकी जान ले लेगा। हत्याकांड का खुलासा होते ही शहर में भारी गुस्सा देखने को मिला। व्यापारियों ने शोक स्वरूप बाजार बंद रखे और पुलिस प्रशासन से मांग की कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

NAME CHANGE

I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE

I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE

I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE

I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE

I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE

I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE

I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE

I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE

I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE

I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE

I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE

I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE

I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE

I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE

I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE

I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com

Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा ने एचआईवी नियंत्रण में हासिल की बड़ी सफलता

एजेंसी

चंडीगढ़। एचआईवी/एड्स के खिलाफ अपनी लड़ाई में हरियाणा ने एक बड़ी सफलता दर्ज की है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज यहां बताया कि राज्य ने कुछ ही महीनों के भीतर वैश्विक 95-95-95 लक्ष्यों पर अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है और देश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में उभरकर सामने आया है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के त्वरित कार्यान्वयन का विवरण देते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि हरियाणा ने आक्रामक मरीज ट्रैकिंग, लक्षित हस्तक्षेप (Targeted Interventions), विस्तारित जांच, इलाज में निरंतरता (Treatment Retention) और एक अभूतपूर्व राज्यव्यापी जागरूकता अभियान के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह अभियान विशेष रूप से युवाओं और संवेदनशील समुदायों पर केंद्रित है। जनवरी 2026 में राज्य पहले '95' लक्ष्य में 85.2 प्रतिशत और दूसरे '95' लक्ष्य में 83.7 प्रतिशत पर था, जो अब बढ़कर क्रमशः 93.2 प्रतिशत और 90.9 प्रतिशत हो गया है। वहीं, 95.8 प्रतिशत 'वायरल सप्रेशन' (वायरल लोड में कमी) के साथ राज्य तीसरे लक्ष्य को पहले ही पार कर चुका है।

पंचकूला जोन के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की कार्यवाही 14, 21 और 28 सितम्बर को

चण्डीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, अच्छी वोल्टेज और निर्बाध बिजली आपूर्ति करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। 'पूर्ण उपभोक्ता संतुष्टि' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके। बिजली निगम के प्रवक्ता ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों नामतः कुरुक्षेत्र, अंबाला, पंचकूला, कैथल और यमुनानगर के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण 14, 21 और 28 सितम्बर को जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच, पंचकूला में उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से सम्बंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जुड़े मामलों, खराब हुए मीटरों से सम्बंधित मामलों, वोल्टेज से जुड़े हुए मामलों का निपटान किया जाएगा। उपभोक्ता और निगम के बीच किसी भी विवाद के निपटान के लिए फोरम में वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायत प्रस्तुत करने से पहले पिछले छः महीनों के दौरान उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए गए बिजली के औसत शुल्क के आधार पर गणना की गई प्रत्येक माह के लिए दावा की गई।

किसान जागरूकता कार्यक्रम में किसानों को दी खरीफ खरीद व सुरक्षा योजना की जानकारी

गुरुग्राम। सोहना मार्केट कमेटी कार्यालय परिसर में किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सोहना-तावडू के विधायक तेजपाल तंवर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि अध्यक्षता मार्केट कमेटी सोहना के चेयरमैन दयाराम लोहिया ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक तेजपाल तंवर ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार अन्नदाता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में किसानों की फसलों की एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित की जा रही है तथा भावांतर भरपाई योजना के माध्यम से पात्र किसानों को डिजिटल माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में मुआवजा राशि पहुंचाई जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी, गुरुग्राम विनय यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान, जय किसान' के संदेश का उल्लेख करते हुए किसानों की देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

त्योहारी सीजन से पहले हरियाणा सरकार खाद्य सुरक्षा को लेकर मुस्तैद

चंडीगढ़। त्योहारी सीजन को देखते हुए हरियाणा सरकार खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद हो गई है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग बढ़ाने, निरीक्षण एवं निगरानी को तेज करने तथा असुरक्षित और घटिया खाद्य पदार्थों की बिक्री पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने आज यहां खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश में खाद्य सुरक्षा एवं उपभोक्ता संरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की मांग और बिक्री बढ़ने की संभावना को देखते हुए सैंपलिंग एवं प्रवर्तन गतिविधियों में खास तौर पर तेजी लाई जाए।

मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों की बदली जिंदगी : मुख्यमंत्री

55 साल राज करने वाली कांग्रेस बताए, कितने गरीबों को गरीबी से बाहर निकाला

मोदी को बदनाम करने की स्क्रिप्ट लेकर घूम रही कांग्रेस, सेवा और तपस्या के 25 साल नहीं झुठला पाएगी- मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने लगभग 55 वर्षों तक देश पर शासन किया, लेकिन वह आज भी यह नहीं बता सकती कि उसके शासनकाल में कितने लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण के लिए लागू की गई नीतियों और योजनाओं के परिणामस्वरूप लगभग 25 करोड़ देशवासी गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र के प्रति समर्पण की यात्रा के रहे हैं, जिसका सकारात्मक बदलाव आज देश की जनता स्वयं अनुभव कर रही है। पंचकूला में 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यों का मुकाबला करने के लिए न कोई नीति है, न मुद्दा और न ही कोई ठोस एजेंडा। इसलिए कांग्रेस के नेता बाहर से लिखी स्क्रिप्ट लेकर प्रधानमंत्री को बदनाम करने का प्रयास करते हैं, लेकिन देश की जनता प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की निरंतर सेवा, त्याग और तपस्या की साक्षी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बिना रुके और बिना थके देश तथा देशवासियों की सेवा की है। कांग्रेस

को प्रधानमंत्री के प्रति अपशब्दों का प्रयोग करने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए और अपने लंबे शासनकाल के दौरान गरीब, महिला और युवा के लिए किए गए कार्यों पर विचार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में गरीब और गरीब होता गया। कांग्रेस के पास गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के आंकड़े तो थे, लेकिन वह आज भी यह नहीं बता सकती कि उसके शासनकाल में कितने गरीबों को गरीबी से बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक गरीबों का शोषण किया। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गरीब के सम्मान और उसके जीवन स्तर में सुधार को सरकार की नीतियों के केंद्र में रखा। गरीब कल्याण की इसी सोच का परिणाम है कि लगभग 25 करोड़ देशवासी गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब को पक्की छत देना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरीब-कल्याण की सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हरियाणा में गरीब परिवारों को लगभग 1 लाख 60 हजार मकान बनाकर दिए गए हैं। यह केवल पक्की छत उपलब्ध करवाने का कार्य नहीं, बल्कि गरीब परिवारों को सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 55 वर्षों तक देश पर शासन करने वालों को गरीब माताओं, बहनों और बेटियों की पीड़ा दिखाई नहीं दी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में लगभग 12 करोड़ शौचालय बनवाकर महिलाओं को 'इज्जत घर' देने का काम किया। जब प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से शौचालय निर्माण का संकल्प व्यक्त किया तो कांग्रेस ने उसका भी मजाक उड़ाया।

हरियाणा का लक्ष्य भविष्य के लिए तैयार और इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप इनोवेशन-आधारित टेक्निकल एजुकेशन इकोसिस्टम तैयार करना

(आईआईटी) रोपड़ फैकल्टी डेवलपमेंट, प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस को देगा बढ़ावा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में आज हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू राज्य में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। एमओयू पर स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान, सेक्टर-3, पंचकूला में हस्ताक्षर किए गए। यह पहल हरियाणा में भविष्य के लिए तैयार, नवाचार-आधारित तथा उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी शिक्षा का मजबूत इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सहयोग से राज्य के युवाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता तथा कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा, प्रो. राजीव आहूजा सहित दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। एमओयू का उद्देश्य फैकल्टी डेवलपमेंट,

उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह, तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक श्री एस. नारायणन, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू, तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. वाई.पी.एस. बेरवाल तथा आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण, पाठ्यक्रम में सुधार, नवाचार, उद्यमिता तथा उद्योग-उन्मुख कौशल विकास के माध्यम से तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और उद्योगोन्मुखी दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना है। आईआईटी रोपड़ प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण तथा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के विकास के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इसके अलावा, फैकल्टी एवं विद्यार्थियों के लिए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, सर्टिफिकेट कोर्स, वर्कशॉप तथा एक्सपोजर विजिट आयोजित करने में भी सहयोग दिया जाएगा। इस आपसी सहयोग के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, बैटरी टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी तथा एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग/3डी प्रिंटिंग जैसी उभरती तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आईआईटी रोपड़ तकनीकी शिक्षा के पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव तथा आउटकम-बेस्ड एजुकेशन को बढ़ावा देने में भी सहयोग करेगा।

हरियाणा की जेलों में एक माह तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान': डॉ. अरविंद शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, पर्यटन, विरासत एवं निर्वाचन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रदेश की जेलों में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। इस दौरान जेलों में पौधारोपण, रक्तदान शिविर, योग, स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा और सुधार से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान में अधिक से अधिक बंदियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में सेवा को प्राथमिकता देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने पर जोर दिया है। सेवा संकल्प अभियान के दौरान इसी संदेश को जेलों तक पहुंचाया जाएगा। पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान से सेवा, योग से स्वास्थ्य और आध्यात्मिक गतिविधियों से सकारात्मक सोच का संदेश दिया जाएगा। कारागार मंत्री ने प्रदेश के सभी जेल अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए जेलवार कार्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रत्येक जेल में अलग-अलग गतिविधियों की रूपरेखा पहले से तैयार की जाए, ताकि पूरे एक माह के दौरान निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें। अभियान को किसी एक आयोजन तक सीमित न रखते हुए जेलों में उपलब्ध सुविधाओं और बंदियों की भागीदारी को ध्यान में रखकर गतिविधियों का स्वरूप तय किया जाए।

सेवा और सकारात्मक सोच का संदेश जेलों तक पहुंचाना उद्देश्य

नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निवारण करें अधिकारी : डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने जन-संवाद, समाधान शिविर और सीएम विंडो को लेकर की समीक्षा बैठक

एजेंसी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जन-संवाद, समाधान शिविर और सीएम विंडो से प्राप्त नागरिकों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। किसी भी शिकायत को अनावश्यक कारणों से लंबित न रखा जाए और प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटान सुनिश्चित किया जाए।

डीसी अभिषेक मीणा ने लघु सचिवालय सभागार में जन-संवाद, समाधान शिविर और सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों के निवारण से संबंधित समीक्षा बैठक की। इससे पहले हरियाणा सरकार के सहकारिता विभाग के प्रधान सचिव पंकज यादव ने जन-संवाद पोर्टल के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के डीसी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान को लेकर समाधान शिविर और जनसंवाद सहित अन्य जनसुनवाई पोर्टल की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी अधिकारी नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने बैठक के दौरान लंबित शिकायतों, एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) तथा शिकायतों के निपटान से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं का निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान करवाया जाए। इसके साथ ही लंबित शिकायतों के निवारण में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि जन-संवाद एवं समाधान शिविर सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं संतोषजनक समाधान के उद्देश्य से चलाए जा रहे हैं इसलिए सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नागरिकों की समस्याओं का समाधान तय समय में सुनिश्चित करें।

उपायुक्त अखिल पिलानी के आदेश पर पनीर निर्माण इकाइयों पर संयुक्त छापेमारी

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त अखिल पिलानी के आदेशों की अनुपालना में खाद्य सुरक्षा विभाग, नूंह द्वारा जिले में संचालित पनीर निर्माण इकाइयों के विरुद्ध विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। यह संयुक्त कार्रवाई एसडीएम पुन्हाना अमित कुमार गुलिया की उपस्थिति में ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार पुन्हाना, डीएसपी पुन्हाना के नेतृत्व में पुलिस बल तथा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण विभाग की टीम के सहयोग से की गई। अभियान के दौरान ग्राम गौघोला, तहसील पुन्हाना क्षेत्र में गुरुग्राम नहर के निकट स्थित तीन पनीर निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इन इकाइयों में करीब 7,600 किलोग्राम पनीर पाया गया, जो अत्यंत अस्वच्छ एवं अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में गंदे एवं अस्वच्छ कंटेनरों तथा प्लेटफॉर्म पर रखा हुआ मिला। जनस्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस पनीर को मौके पर गड्ढा खोदकर नष्ट कर दिया गया, ताकि इसे दोबारा खाद्य श्रृंखला में शामिल न किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान तीनों परिसर खुले एवं संचालित पाए गए, हालांकि मौके पर किसी भी इकाई का मालिक, प्रबंधक अथवा खाद्य व्यवसाय संचालक उपस्थित नहीं मिला। परिसरों में स्वच्छता की स्थिति अत्यंत खराब पाई गई। तलाशी के दौरान खाद्य सामग्री के साथ फैब्रिक व्हाइटनर, औद्योगिक ग्रेड ब्लीचिंग एजेंट, रिफाइंड पाम ऑयल, सोयाबीन तथा पोस्टर व्हाइट कलर जैसी सामग्री भी मौके पर पाई गई। इसके अतिरिक्त ग्राम नई में स्थित एक अन्य पनीर निर्माण इकाई का भी निरीक्षण किया गया। के दौरान संबंधित सभी पनीर निर्माण इकाइयों से खाद्य पदार्थों के नमूने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एकत्र किए गए हैं। सभी नमूनों को नियमानुसार पैक, सील एवं लेबल किया गया है।

अस्वच्छ स्थिति में रखा मिला पनीर, खाद्य सुरक्षा एवं प्रदूषण मानकों के उल्लंघन पर होगी नियमानुसार कार्रवाई

सरकार ने दिया महिलाओं को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण : मीना परमार

हरियाणा महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन मीना परमार ने आईजीयू और नागरिक अस्पताल का लिया जायजा

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन मीना परमार ने रेवाड़ी का दौरा करते हुए इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर तथा नागरिक अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में छात्राओं से संवाद कर उन्हें महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा पाक्सो एक्ट के बारे में जागरूक किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी और डॉ. सीमा मिगलानी से छात्राओं के लिए की गई व्यवस्थाओं के संबंध में बातचीत कर जानकारी ली। उन्होंने नागरिक अस्पताल में महिला मरीजों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर मीना परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र व राज्य सरकार महिलाओं को सुरक्षित,

सम्मानजनक एवं भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा महिलाओं को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में छात्राओं से बातचीत करते हुए वाइस चेयरपर्सन ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों तथा उनके संरक्षण के लिए बनाए गए कानूनों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने पॉक्सो एक्ट के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए छात्राओं को किसी भी प्रकार के शोषण, उत्पीड़न या अनुचित व्यवहार की स्थिति में आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सुरक्षा की दिशा में पहला कदम है। छात्राओं को अपने आसपास होने वाली घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए जरूरत पड़ने पर संबंधित विभागों एवं हेल्पलाइन 112 की सहायता लेनी चाहिए। उन्होंने महिला हॉस्टल में भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वाइस चेयरपर्सन मीना परमार ने विश्वविद्यालय प्रशासन से भी छात्राओं के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने तथा महिला सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों का प्रभावी ढंग से पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ कानूनी अधिकारों एवं आत्मरक्षा के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। महिला मरीजों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का हो विशेष * वाइस चेयरपर्सन मीना परमार ने नागरिक अस्पताल का निरीक्षण किया।

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में मजबूत

मुख्य सचिव रस्तोगी ने की पंचगांव मेट्रो कॉरिडोर परियोजना की प्रगति की समीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार गुरुग्राम में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और यातायात दबाव को देखते हुए भविष्य की जरूरतों के अनुरूप एक मजबूत, एकीकृत और सुगम सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क विकसित करने की दिशा में बढ़ रही है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज सेक्टर-56-पंचगांव प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को निर्देश दिए कि संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को निर्धारित समय-सीमा में अंतिम रूप दिया जाए, ताकि परियोजना को स्वीकृति एवं क्रियान्वयन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। प्रस्तावित 35.25 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर में 28 स्टेशन होंगे। यह कॉरिडोर गुरुग्राम के तेजी से विकसित हो रहे आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक एवं शहरी क्षेत्रों को आपस में जोड़ेगा तथा

गुरुग्राम-मानेसर-पंचगांव क्षेत्र में निर्बाध सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।प्रस्तावित मार्ग सेक्टर-56, 61, 65, 66, 50 और 49 से होते हुए खेड़की दौला, ग्लोबल सिटी, न्यू गुरुग्राम के सेक्टर-84, 86 एवं 90, आईएमटी मानेसर होते हुए पंचगांव तक जाएगा। इससे इन क्षेत्रों में बढ़ती यातायात एवं सार्वजनिक परिवहन की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।परियोजना को मौजूदा एवं प्रस्तावित परिवहन प्रणालियों के साथ बेहतर ढंग से एकीकृत करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर को रैपिड मेट्रो, आरआरटीएस, एचओआरसी तथा भविष्य में विकसित होने वाले अन्य रेल-आधारित परिवहन नेटवर्क से जोड़ने की योजना है, ताकि गुरुग्राम महानगरीय क्षेत्र में मल्टीमॉडल पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को और मजबूत किया जा सके। यह परियोजना मीडियम कैपेसिटी मेट्रो रेल प्रणाली पर आधारित होगी, जिसकी डिजाइन गति 90 किलोमीटर प्रति घंटा प्रस्तावित है। संचालन की दक्षता एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीबीटीसी सिग्नलिंग प्रणाली अपनाने का प्रावधान है। श्री रस्तोगी ने कहा कि मेट्रो परियोजना की योजना केवल वर्तमान यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि अगले 15 से 20 वर्षों में गुरुग्राम क्षेत्र में होने वाले शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के बीच प्रभावी एकीकरण भविष्य की शहरी परिवहन व्यवस्था की आवश्यकता है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परियोजना से जुड़े सभी महत्वपूर्ण नियोजन संबंधी मुद्दों का समाधान डीपीआर के स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 : 30 सितंबर तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज करवा सकेंगे मतदाता

एजेंसी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत दावे एवं आपत्तियां दर्ज करने का कार्य 30 सितंबर तक किया जाएगा। मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने के उद्देश्य से 12 व 13 तथा 26 व 27 सितंबर (शनिवार व रविवार) को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किया गया है। डीसी ने मतदाताओं से अपील की है कि वे 30 सितंबर तक संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में नाम, विवरण आदि से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 30 सितंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां दाखिल की जाएंगी। इसके साथ ही दावे एवं आपत्तियों का निपटारा 28 अक्टूबर तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब 6 नवंबर को होगा। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 12 व 13 तथा 26 व 27 सितंबर (शनिवार व रविवार) विशेष अभियान दिवस निर्धारित किया गया है। इन विशेष अभियान दिवसों पर भी सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए फार्म तथा मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि इन विशेष अभियान दिवसों पर सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहकर पात्र नागरिकों से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी बीएलओ को विशेष अभियान दिवस के दौरान 12 व 13 तथा 26 व 27 सितंबर को अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

ड्राईडॉक्स वर्ल्ड, कोचीन शिपयार्ड ने संयुक्त उद्यम का किया गठन

नई दिल्ली।

डीपी वर्ल्ड समूह की कंपनी ड्राईडॉक्स वर्ल्ड और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने कोचीन जहाज मरम्मत सुविधा के संचालन और विस्तार के लिए एक संयुक्त उद्यम (जेवी) समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। डीपी वर्ल्ड ने एक बयान में कहा कि यह 50-50 की साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम कोचीन स्थित इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) का संचालन और विस्तार करेगा, जिससे भारत का जहाज मरम्मत परिवेश मजबूत होगा तथा बढ़ती क्षेत्रीय और वैश्विक मांग पूरी होगी। पोत परिवहन मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि ड्राईडॉक्स वर्ल्ड और सीएसएल दोनों इस परियोजना में 900-900 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इस समझौते पर ड्राईडॉक्स वर्ल्ड के सीईओ कैप्टन राडो एंटोलोविक (पीएचडी) और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक जोस वीजे ने नयी दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के मौके पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा यूएई के उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी मामलों के सहायक विदेश मंत्री इमरान शराफ अलहाशिमी उपस्थित थे।

तेलंगाना में एनालॉग पनीर के उत्पादन, बिक्री पर रोक

हैदराबाद ।

तेलंगाना सरकार ने जनस्वास्थ्य के हित में राज्य में गैर-डेयरी, कृत्रिम पनीर या एनालॉग पनीर के विनिर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। तत्काल प्रभाव से लागू होने वाला यह आदेश आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है। तेलंगाना खाद्य एवं आवश्यक औषधि मानक प्राधिकरण ने कहा कि तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने जनस्वास्थ्य के हित में पूरे राज्य में किसी भी रूप में गैर-डेयरी, कृत्रिम पनीर या एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रतिबंध 10 सितंबर से तत्काल प्रभाव से एक साल के लिए लागू होगा।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल स्थिर

ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर, भविष्य में बढ़ने की आशंका बरकरार

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें शे निवार को भी स्थिर बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को एक बार फिर राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने ईंधन के खुदरा दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। यह लगातार 25 मई से जारी स्थिरता है, बावजूद इसके कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे भविष्य में दाम बढ़ने की चिंता बनी हुई है। करीब साढ़े तीन महीने से देश में पेट्रोल और डीजल के दाम जस के तस बने हुए हैं। 12 सितंबर को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें कल जितनी ही हैं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 107.78 रुपये और डीजल 99.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। गुरुग्राम, पटना, नागपुर, श्रीनगर और इंदौर जैसे अन्य शहरों में भी कीमतें पूर्ववत बनी हुई हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में यह स्थिरता अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य से बिल्कुल अलग है, जहां कच्चे तेल की कीमतें चिंता का विषय बनी हुई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की आपूर्ति और कीमतों को लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का महंगा होना देश के आयात बिल और समग्र अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, साथ ही लंबे समय तक ऊंचे दाम बने रहने से परिवहन लागत में वृद्धि हो सकती है। भारत में ईंधन की कीमतें डायनेमिक फ्यूल प्राइसिंग व्यवस्था के तहत हर दिन सुबह 6 बजे संशोधित की जाती हैं। तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहती हैं, तो देश में पेट्रोल-डीजल के खुदरा दामों पर इसका असर दिखना तय है और यह वर्तमान स्थिरता समाप्त हो सकती है। फिलहाल उपभोक्ताओं को मिली यह राहत कितने समय तक बरकरार रहेगी, यह अंतरराष्ट्रीय बाजार की चाल पर निर्भर करेगा।

‘ब्रिक्स बाजार’ में जुटी दुनिया भर की हस्तकलाएं

18 देशों के 40 से अधिक कारीगर, डिजाइनर अपनी अनूठी कलाओं का कर रहे प्रदर्शन

नई दिल्ली।

दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की गहमागहमी के बीच, भारत मंडपम से कुछ ही दूरी पर स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी में एक अनूठा सांस्कृतिक आयोजन ब्रिक्स बाजार शुरू हो गया है। यह प्रदर्शनी सदस्य और साझेदार देशों की समृद्ध कला और हस्तशिल्प को एक मंच पर ला रही है, जो वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक है। यह रचनात्मक प्रदर्शनी 15 सितंबर तक चलेगी, जिसमें 18 देशों के 40 से अधिक कारीगर, डिजाइनर और रचनात्मक कंपनियां अपने बेहतरीन उत्पाद और कलाकृतियां पेश कर रहे हैं। ब्रिक्स देशों के अलावा सहयोगी देशों की चीन की सुझोउ कढ़ाई, इंडोनेशिया की पारंपरिक बुनाई, नाइजीरिया की लकड़ी की कला और दक्षिण अफ्रीका की जुलू चमड़ा कला जैसी प्रामाणिक हस्तकलाएं दर्शकों को लुभा रही हैं। भारत भी अपनी सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन कर रहा है, जहां रियाज अहमद की कश्मीरी पेपर मेश, मोहम्मद बिलाल खत्री की ब्लॉक प्रिंट, करण सिंह की टेराकोटा कला और शादाब अहमद की लाख की चूड़ियां विशेष आकर्षण हैं। मेजबान देश ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों की पारंपरिक जीवनशैली को दर्शाते विशेष

कॉर्नर भी बनाए हैं। शिखर सम्मेलन में आए विदेशी मेहमानों और उनके परिवारों के भी इस अनूठे शिल्प मेले का दौरा करने की उम्मीद है।

प्रदर्शनी में लुइस फारिनास लियोन (क्यूबा) जैसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कलाकार शामिल हैं, जिन्हें 2023 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला था। इंडोनेशिया की प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर युली अस्तुति भी अपनी लुप्तप्राय कुडोस बाटिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करने के लिए जानी जाती हैं। यह बाजार सिर्फ उत्पादों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि दुनियाभर के कारीगरों को अपनी कला के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और वैश्विक पहचान बनाने का एक अनमोल अवसर भी प्रदान करता है।

आरबीआई एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां बेचेगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने तीन चरणों में खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने की घोषणा की। पहला चरण 17 सितंबर को होगा। आरबीआई के अनुसार पहले चरण में 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रुपए और उसके बाद 21 सितंबर तथा 28 सितंबर को 25,000-25,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने बयान में कहा कि बैंकिंग प्रणाली में उपलब्ध धन की मौजूदा स्थिति और उसमें हो रहे बदलाव की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने तीन चरणों में कुल एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने का फैसला किया है। पहली नीलामी में 2029, 2030, 2031 और 2032 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने कहा कि नीलामी 17 सितंबर को सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 10 बजे के बीच होगी। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) (एफसीएनआर-बी) जमा के जरिये विदेशी मुद्रा आने से बैंकों में उपलब्ध धन काफी बढ़ गया है। अतिरिक्त धन को वापस लेने के लिए आरबीआई लगातार परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी भी कर रहा है। बैंकों द्वारा एफसीएनआर (बी) जमा में बड़ी मात्रा में धन जुटाए जाने के बाद बैंकों में उपलब्ध नकदी में तेज वृद्धि हुई है।

‘एआई दोधारी तलवार, सुरक्षा उपायों के बिना बेकाबू होने का खतरा’- निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को तेजी से अपनाने के साथ-साथ मजबूत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों के बिना एआई बेकाबू होकर समाज के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय तक न टिकने वाले जोखिमों का वितरण होगा। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोलते हुए, सीतारमण ने वैश्विक एआई उद्योग में तेजी से विकसित हो रहे फ्रंटियर मॉडल और एक शोधकर्ता की स्वयं को बेहतर बनाने वाली सुपर-इंटेलिजेंस संबंधी सार्वजनिक चेतावनी का उल्लेख किया। उन्होंने इन जोखिमों की गंभीरता से जांच की मांग की और संस्थागत जवाबदेही पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने पूछा, जनता को कौन आश्वस्त करेगा कि सुरक्षा उपाय तकनीक की गति के साथ चल रहे हैं? भरोसेमंद व पारदर्शी जवाब देने के लिए सामूहिक प्रयास कहां है? सीतारमण ने एआई को दोहरी तलवार बताया, जो धोखाधड़ी का पता लगाने और बड़े साइबर हमलों को स्वचालित करने दोनों में सक्षम है। उन्होंने नियामकों और वरिष्ठ प्रबंधन को एआई गवर्नेंस को केवल तकनीकी टीमों पर न छोड़ने की सलाह दी, बल्कि इसके उपयोग, निर्णयों और डेटा को समझने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने उच्च जोखिम वाले एप्लिकेशंस की गहन जांच की वकालत की। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एआई को न अपनाने से भी संस्थान कमजोर पड़ सकते हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता खो सकते हैं।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा

बाजार में उथल-पुथल जारी रही, सेंसेक्स-निफ्टी लगातार दबाव में, निवेशकों को लगा बड़ा झटका

मुंबई ।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। सप्ताह की शुरुआत से ही बाजार पर वैश्विक तनाव का साया मंडरा रहा था। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्षों के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल के निशान को पार करने की आशंका बढ़ गई, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंका और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार को कमजोर किया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझान का असर भारतीय सूचकांकों पर साफ दिखाई दिया। सप्ताह के शुरुआती तीन दिन (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) बाजार के लिए बेहद खराब रहे। सोमवार को सेंसेक्स 382 अंक और निफ्टी 118 अंक गिरकर बंद हुए। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही, जहां सेंसेक्स 555 अंक लुढ़का और निफ्टी 23,700 के नीचे आ गया। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जब सेंसेक्स 813 अंक टूटकर 74,764.23 पर और निफ्टी 203 अंक गिरकर 23,431.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार में मामूली सुधार दिखा, सेंसेक्स 138 अंक और निफ्टी 46 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, लेकिन यह राहत अल्पकालिक रही। शुक्रवार को एक बार फिर बाजार में गिरावट लौटी, हालांकि यह शुरुआती भारी

गिरावट से कुछ उबरकर बंद हुए, फिर भी सेंसेक्स 120 अंक और निफ्टी 79 अंक के नुकसान के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह के दौरान धातु, सूचना प्रौद्योगिकी, तेल-गैस, वित्तीय सेवाएं और रियल्टी जैसे क्षेत्रों में भारी बिकवाली देखी गई। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जो बाजार में व्यापक कमजोरी को दर्शाता है। हालांकि, गुरुवार को पीएसयू बैंक और एनर्जी जैसे कुछ क्षेत्रों में चुनिंदा खरीदारी का रुझान देखा गया, लेकिन बाजार में अनिश्चितता और निवेशकों की सावधानी बनी रही। भारतीय रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर बंद हुआ, जो बाजार के नकारात्मक संकेतों को और पुष्ट करता है। कुल मिलाकर, यह सप्ताह निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा और नुकसानदेह साबित हुआ।

गणेशोत्सव में सोने-चांदी की बंपर बिक्री, महंगाई भी बेअसर

4000 करोड़ के कारोबार का अनुमान, मुंबई में 200 टन सोना बिकने की उम्मीद

मुंबई । इस साल गणेशोत्सव ने देश के ज्वैलरी बाजार में एक अनोखी चमक बिखेर दी है। शादी-विवाह या अन्य पारंपरिक त्योहारों से हटकर, गणपति बप्पा के स्वागत और उनकी प्रतिमाओं को सजाने के लिए सोने-चांदी के आभूषणों की जोरदार मांग देखी जा रही है। उद्योग अनुमानों के मुताबिक, अकेले मुंबई में इस गणेशोत्सव के दौरान 200 टन से अधिक सोने की बिक्री हो सकती है, जबकि देशभर में यह आंकड़ा 4,000 करोड़ रुपए के कारोबार तक पहुंचने का अनुमान है। गणेशोत्सव शुरू होने से लगभग पांच दिन पहले ही ज्वैलरी बाजार में यह विशेष रौनक शुरू हो गई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार गणेश चतुर्थी तक करीब 4,000 करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद है। घरों में स्थापित होने वाली गणेश प्रतिमाओं के लिए छोटे-बड़े आभूषणों की खरीदारी जोरों पर है। जावेरी बाजार के ज्वैलर्स गणपति बप्पा के लिए गणेश पादुका, नेकलेस, मोदक, चूहे, जासवंती के फूल, चेन, कान की बालियां और बाजूबंद जैसे खास गहने तैयार कर रहे हैं। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए कारीगर दिन-रात काम कर रहे हैं, क्योंकि गणेश को मन्नतों का देवता माना जाता है और कई भक्त मन्नतें पूरी होने पर बड़े उत्साह से खरीदारी कर रहे हैं। मुंबई सर्राफा बाजार में हर दिन 200 से 225 करोड़ रुपये के गहने बिक रहे हैं। आभूषण कारोबारियों का कहना है कि सोने की बढ़ती कीमतों का खरीद पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इस बार सोने के दाम लगभग 40 फीसदी ज्यादा होने के बावजूद, ज्वैलरी की मांग दोगुनी हो गई है। भक्ति और आस्था के आगे महंगाई फीकी पड़ गई है। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सिर्फ बप्पा की ज्वैलरी की मांग के चलते गणेशोत्सव के दौरान मुंबई सर्राफा बाजार में 200 टन से ज्यादा सोना बिकने की उम्मीद है। सोने के साथ-साथ चांदी के बाजार में भी जबरदस्त रौनक है। चांदी के मोदक और चूहे की सबसे ज्यादा मांग है, जिसमें 50 ग्राम से लेकर सवा किलो तक के चूहे शामिल हैं। इसके अलावा मुकुट, कंठहार, कड़े और पादुकाएं भी खूब खरीदी जा रही हैं। गणेश पंडालों के लिए जहां प्रतिमा के आकार के अनुसार कई गुना बड़े और आकर्षक आभूषण बनाए जा रहे हैं, वहीं घरों के लिए मौजूदा रुझानों के हिसाब से आभूषणों की बिक्री हो रही है।

एसबीआई ने आरबीआई से दरें बढ़ाने का आग्रह किया

- बैंक की शोध रिपोर्ट में अक्टूबर और दिसंबर में 0.25-0.25 प्रतिशत की वृद्धि का सुझाव

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अगले महीने नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत और फिर दिसंबर में इतनी ही वृद्धि करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम लगातार बाहरी झटकों, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और व्यापक मुद्रास्फीति दबाव से निपटने के लिए आवश्यक है। एसबीआई की इकोरैप रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं और इनके जल्द ही 123 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इन भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच, रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहती हैं, तो अक्टूबर और नवंबर में मुद्रास्फीति 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ एक महीने पहले तक ब्याज दर में लंबे ठहराव की उम्मीद थी, लेकिन अब स्थिति में भारी बदलाव आया है। बैंक का यह सुझाव अमेरिकी फेडरल रिजर्व के संभावित कदमों से अप्रभावित है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 5-7 अक्टूबर को होनी है, जहां इन सिफारिशों पर विचार किया जा सकता है। केंद्रीय बैंक ने अगस्त में लगातार चौथी बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था।

ब्रिक्स मंच पर भारत की डीप-टेक क्रांति, 37 स्टार्टअप वैश्विक निवेश की दौड़ में

शिक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली में ब्रिक्स-भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए स्वदेशी स्टार्टअप

नई दिल्ली । भारत अपने स्वदेशी प्रौद्योगिकी नवाचारों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित कर रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स-भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में 37 भारतीय डीप-टेक स्टार्टअप पेश किए हैं। इन स्टार्टअप का लक्ष्य ब्रिक्स देशों के निवेशकों, कंपनियों और व्यापारिक दिग्गजों के साथ निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार पहुंच के अवसर तलाशना है। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी 11-12 सितंबर को ब्रिक्स बिजनेस फोरम के साथ चल रही है। शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन 37 स्टार्टअप का चयन उन 120 नवाचारी कंपनियों में से किया गया है, जिन्होंने जून में फ्रांस के नीस में आयोजित भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी में भाग लिया था। ये स्टार्टअप अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी सामग्री, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों से जुड़े हैं। मंत्रालय का मानना है कि यह प्रदर्शनी बी2बी जुड़ाव, प्रौद्योगिकी साझेदारी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार पहुंच को सुगम बनाएगी। साथ ही, यह भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत चिह्नित अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की ब्रिक्स शिखर पहल को भी बल देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित ब्रिक्स नेताओं, सीईओ और वैश्विक निवेशकों के इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होने की उम्मीद है। प्रदर्शनी में ध्रुव स्पेस, गैलेक्सी स्पेस सॉल्यूशंस और विसिग नेटवर्क्स जैसे अग्रणी स्टार्टअप शामिल हैं।

ओडिशा में लघु जलविद्युत परियोजनाओं के लिए 185 स्थल किए चिन्हित

उपमुख्यमंत्री बोले- पर्यावरण और विकास दोनों के लिए लाभकारी

भुवनेश्वर । ओडिशा सरकार ने राज्य में लघु जलविद्युत परियोजनाओं को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विशाल कुमार देव ने शुक्रवार को बताया कि राज्य में ऐसे 185 स्थलों की पहचान की गई है, जहां कुल 260 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता विकसित की जा सकती है। देव ने लघु जलविद्युत विकास पर आयोजित एक संवाद के दौरान कहा कि देश के कुल सतही जल संसाधनों का लगभग 11 प्रतिशत ओडिशा में होने के कारण लघु जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने जोर दिया कि राज्य में बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं के साथ अब छोटे पैमाने की परियोजनाओं पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। शुरुआत में चिन्हित किए गए 185 स्थलों पर 260 मेगावाट क्षमता विकसित की जा सकती है, और भविष्य में यह क्षमता बढ़ भी सकती है। उपमुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव ने सत्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि लघु जलविद्युत परियोजनाएं पर्यावरण और विकास दोनों के लिए लाभकारी हैं। इन परियोजनाओं में मौजूदा सिंचाई नहरों और जल प्रवाह का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होती। इस संवाद में नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की 2026-31 की लघु जलविद्युत विकास योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर चर्चा की। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने अपनी अनुमानित 21,133 मेगावाट की लघु जलविद्युत क्षमता में से अब तक 5,171 मेगावाट का उपयोग किया है।

एसबीआई छोटे व्यवसायों की ऋण पात्रता आंकने यूपीआई आंकड़ों का करेगा इस्तेमाल

पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ के ऋण दिए

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जीएसटी पंजीकरण नहीं रखने वाले छोटी इकाइयों की ऋण पात्रता का आकलन करने के लिए यूपीआई लेनदेन के आंकड़ों का इस्तेमाल करने की व्यवस्था विकसित कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसबीआई के एक उप प्रबंध निदेशक ने यहां आयोजित वैश्विक फिनटेक सम्मेलन में कहा कि यदि किसी कारोबार में नियमित बिक्री हो रही है तो यूपीआई लेनदेन को जीएसटी के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम जीएसटी न रखने वाले कारोबारियों के लिए एक यूपीआई समाधान विकसित कर रहे हैं और यूपीआई लेनदेन को बिक्री के संकेतक के रूप में इस्तेमाल करेंगे।' तिवारी ने कहा कि जीएसटी के तहत पंजीकृत कारोबारियों को ऋण देने की चुनौती का बैंक समाधान कर चुका है और ऐसे मामलों में 10 मिनट के भीतर ऋण देने की स्थिति में है। पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए हैं। हालांकि, जीएसटी नंबर नहीं रखने वाले कारोबारियों के मामले में कठिनाइयां हैं और ऐसे में वैकल्पिक आंकड़े महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यूपीआई भुगतान से जुड़े मुद्दे पर तिवारी ने कहा कि कर्ज देने वाले बैंक के पास हमेशा यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है। हालांकि, प्राप्तकर्ता बैंक और लेनदेन में मदद करने वाले तीसरे पक्ष के भुगतान ऐप के पास यह जानकारी होती है। उन्होंने कहा कि ग्राहक की सहमति से बैंक यूपीआई भुगतान और दूरसंचार कंपनियों से मिलने वाले आंकड़ों जैसे अन्य स्रोतों का इस्तेमाल करने वाले मॉडल के जरिये ऋण पात्रता का आकलन कर सकता है। एसबीआई को उम्मीद है कि नए आंकड़ों के आधार पर छोटे कारोबारियों को ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे छोटे कारोबारियों की ऋण संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी।

इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल बाजार तेजी से हो रहा विस्तार

नई दिल्ली ।

देश में वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में जनवरी से अगस्त के बीच इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की खुदरा बिक्री 2,18,716 यूनिट तक पहुंच गई। बिक्री के यह आंकड़े बना रहे हैं कि भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर यानी इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 1,21,322 यूनिट की बिक्री हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर बिक्री में करीब 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए कैलेंडर वर्ष 2026 में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की कुल खुदरा बिक्री करीब 3.50 लाख यूनिट तक पहुंचने का अनुमान है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग देश के अधिकांश हिस्सों में बढ़ी है। राज्य में जनवरी से अगस्त के दौरान 31,184 यूनिट बिकीं, जबकि 2025 की समान अवधि में यह आंकड़ा 20,564 यूनिट था।

इस तरह महाराष्ट्र में 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तेलंगाना 21,537 यूनिट की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा और यहां 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कर्नाटक में 20,440 यूनिट बिकीं, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 56 प्रतिशत अधिक हैं। दिल्ली में 19,875 यूनिट की बिक्री के साथ 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। तमिलनाडु में 17,985 और केरल में 17,638 यूनिट बिकीं। गुजरात में 15,608 यूनिट के साथ बिक्री 139 प्रतिशत बढ़ी, जबकि राजस्थान में 15,423 यूनिट की बिक्री और 134 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। उत्तर प्रदेश में 14,330 यूनिट बिकीं, जो 74 प्रतिशत अधिक हैं। आंध्र प्रदेश में 7,274 यूनिट की बिक्री के साथ 154 प्रतिशत, ओडिशा में 5,862 यूनिट के साथ 133 प्रतिशत और पंजाब में 4,812 यूनिट के साथ 103 प्रतिशत वृद्धि हुई।

हालांकि हरियाणा में बिक्री 49 प्रतिशत घटकर 1,929 यूनिट रह गई। छोटे बाजारों में भी तेजी रही। चंडीगढ़ में 177 प्रतिशत, उत्तराखंड में 142 प्रतिशत, बिहार में 120 प्रतिशत और जम्मू-कश्मीर में 128 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। नगालैंड और लद्दाख में भी बिक्री वृद्धि क्रमशः 225 और 300 प्रतिशत रही। भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की स्वीकार्यता में तेजी देखने को मिली है। हरियाणा को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। महाराष्ट्र इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में देश में पहले स्थान पर रहा।

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर की उक्त चार बैंकिंग संस्थानों की रिपोर्ट स्पष्ट कहती हैं कि भारत विकास के राह पर बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है एवं भारत के आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार सुधार कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। अब पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भी भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया जाएगा, ऐसी आशा की जानी चाहिए।

जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी (जेसीआरए) ने भारत की सार्वभौम (सावरेन) क्रेडिट रेटिंग में सुधार करते हुए इसे बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया है। भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी कई कारणों के चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूरे विश्व में समस्त बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है एवं भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, इस देश में नागरिकों को अपने विचार रखने की आजादी है अतः विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अभी हाल ही में अन्य देशों में निवासरत भारत के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दशार्ता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे है। हाल ही में, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूपीआई की मांग अब विश्व के अन्य देशों द्वारा भी की जा रही है। जनधन योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़ दिया गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। डिरेक्ट बेनिफिट ट्रान्स्फर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारत में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, सरकारी खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च पिछले 5 वर्षों में तीन गुना हो गए हैं। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सांतवा, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आंठवां, भारत का वित्तीय

घाटा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी की है।

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इससे उस देश में विदेशी निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा निम्न प्रकार की क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती है। AAA - यह प्राइम क्रेडिट रेटिंग मानी जाती है एवं यह देश निवेश की दृष्टि से इन्वेस्टमेंट ग्रेड का है। AA - क्रेडिट रेटिंग भी हाई ग्रेड की मानी जाती है। A - क्रेडिट रेटिंग अपर मीडीयम ग्रेड की मानी जाती है। BBB - क्रेडिट रेटिंग लोअर मीडीयम ग्रेड को दशार्ती है। BB - क्रेडिट रेटिंग नोन-इन्वेस्टमेंट ग्रेड एवं स्पेक्युलेटिव की श्रेणी में गिनी जाती है। B - क्रेडिट रेटिंग हाइली स्पेक्युलटिव श्रेणी में आती है एवं C - क्रेडिट रेटिंग अधिकतम रिस्क की श्रेणी में गिनी जाती है। भारत की क्रेडिट रेटिंग BBB+ ग्रेड में मानी जा रही थी जो अब सुधरकर A- कर दिया गया है।

पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में पिछले कई वर्षों से बदलाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इस दौरान विशेष रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुए विकास दर को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो BBB- के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा 18 वर्ष पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे BBB के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडी ने जून 2020 के पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को Baa3 की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। उक्त एजेन्सीयां भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को उचित तरीके से नहीं दशार्ती हैं। जबकि, भारत के आर्थिक संकेतक बहुत मजबूत बने हुए हैं।

हाल ही में, विश्व के चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों ने भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट जारी की है। जिसमें भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की गई है। जेफ्रीज नामक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल फोन, स्टील, सीमेंट, सोलर पैनल एवं ट्रक के निर्माण के क्षेत्र में भारत आज दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2014 में स्पेस के क्षेत्र में भारत में केवल एक स्टार्टअप था आज भारत में इस क्षेत्र में 400 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। चिप निर्माण में 12 प्रोजेक्ट पर भारत में काम हो रहा है एवं 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हो रहा है। साथ ही, 3 विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन भी प्रारम्भ हो गया है। जेफ्रीज ने इस रिपोर्ट को नाम दिया है 'इंडिया न्यू इंडस्ट्रीयल रेवोल्यूशन'। दूसरी रिपोर्ट आई है बैंक ओफ अमेरिका से, जो कहती है कि भारत में बहुत कुछ बदल रहा है। पिछले 24 माह में भारत में 18 सुधार कार्यक्रम लागू हुए हैं। वस्तु एवं सेवा कर के ढांचे में 5 के स्थान पर मुख्यतः अब 2 दरें लागू कर दी गई हैं एवं इसे बहुत सरल बना दिया गया है। 12 लाख रुपए की कमाई तक, आय कर शून्य कर दिया गया है। नए लेबर कोड्ज भी लागू कर दिए गए हैं एवं सोशल सिक्यरिटी का दायरा भी बढ़ा दिया गया है।

तीसरी रिपोर्ट आई है (BERNSTEIN) बॉर्नस्टीन नामक संस्थान से, जो कहती है कि भारत के विकास में कुछ हिस्सा सरकारी सहयोग से आ रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में अपने पूंजीगत खर्चों में भारी वृद्धि की है। जून 2026 तिमाही में भारत की 200 सबसे बड़ी कम्पनियों की आय 12 प्रतिशत बढ़ी है। वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी करने से नागरिकों की जेब में करीब 20,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि पहुंची है। भारत के गांवों में कमजोर मानसून के बावजूद उत्पादों की मांग मजबूत बनी हुई है।

चौथी रिपोर्ट आई है मोर्गन सटेनली नामक संस्थान से, इसके अनुसार, पिछले वर्ष विश्व के 24 स्टॉक मार्केट में से भारत का मार्केट, रिटर्न देने के मामले में 23वें स्थान पर रहा है। यह कड़वा सच है। परंतु, ऊपर जाने के रास्ता लम्बा है पर यहीं से निकलता है। अभी भारत का सेन्सेक्स 76000 के आसपास हैं, जो जून 27 तक बढ़कर परिस्थिति अनुसार, 89000 अथवा 100000 के स्तर तक पहुंच सकता है। भारतीय कम्पनियों के शेयर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुछ सस्ते हो गए है। चूंकि भारतीय स्टॉक मार्केट ने पिछले वर्ष अच्छे रिटर्न नहीं दिए हैं अतः मार्केट इस वर्ष इस गलती को सुधारने को तैयार हो रहा है। भारत में निवेश, नागरिकों की बचत से आ रहा है, प्रति माह करोड़ों नागरिक रक्ष्ढ के माध्यम से हजारों करोड़ रुपए का निवेश देश के पूंजी बाजार में कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार में आज देशी निवेशकों का निवेश विदेशी निवेशकों के निवेश की तुलना में अधिक हो गया है। जब विदेशी निवेशक वापिस भारतीय शेयर बाजार में लौटेंगे तो उन्हें आज की तुलना में महंगे शेयर खरीदने होंगे। अर्थात, भारतीय शेयर बाजार गिरा जरूर है, परंतु इसीलिए आगे का रास्ता लम्बा हो सकता है लेकिन जाना उसे ऊपर की ओर ही है।

वैश्विक स्तर की उक्त चार बैंकिंग संस्थानों की रिपोर्ट स्पष्ट कहती हैं कि भारत विकास के राह पर बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है एवं भारत के आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार सुधार कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। अब पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भी भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया जाएगा, ऐसी आशा की जानी चाहिए।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

नस्लभेदी अमेरिका

यूं तो ट्रंप प्रशासन भारतीयों को नस्लीय आधार पर निशाना बनाने का मौका कभी नहीं छोड़ता, लेकिन हाल ही में अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी यानी डीएचएस द्वारा जारी एक विवादित विज्ञापन ने उसकी संकीर्ण सोच को ही उजागर किया है। हालांकि, अमेरिका के हिंदू,सिख संगठनों और डेमोक्रेट नेताओं द्वारा पुरजोर विरोध करने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया वह विज्ञापन हटा लिया गया, जिसमें 'मिस्टर सिंह' को निशाना बनाया गया था। निश्चित रूप से इस अप्रिय घटना को सिर्फ एक पोस्ट हटाने के बावजूद नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरे अर्थों में यह अमेरिका में भारतीयों को लगातार निशाना बनाने की लगातार की जा रही कोशिशों का ही हिस्सा भर है। दरअसल, अमेरिका में बिना लाइसेंस वाले कमर्शियल ड्राइवरों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत जारी इस विज्ञापन में एआई के जरिये बनाई गई, एक दाढ़ी वाले गेहुंआ रंग के व्यक्ति की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ अभद्र भाषा के साथ चेतावनी वाला संदेश भी लिखा गया था- 'हमारी सड़कों से हट जाओ, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह।' उसके बाद धमकी दी गई थी, 'खुद देश छोड़कर चले जाओ या अंजाम भुगतो।' दशकों से पूरी दुनिया की सरकारों को मानवता, धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, समरसता जैसे भारी-भरकम शब्दों के जरिये अस्थिर करने के प्रयासों में लगा अमेरिका अपनी इस कवायद से बेनकाब होता नजर आया है। स्वाभाविक रूप से इस विज्ञापन के सामने आने के बाद भारतीय-अमेरिकियों और सिख संगठनों के साथ-साथ डेमोक्रेट नेताओं ने भी इस पोस्ट को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताकर घोर निंदा की है। इसमें दो राय नहीं कि आप्रवासन कानून को लागू करने या खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में कुछ भी गलत नहीं है। असल में, जब लापरवाही या आपराधिक व्यवहार के कारण मौतें होती हैं, तो सरकारों का यह भी कर्तव्य होता है कि वह कार्रवाई करें। लेकिन कानून का पालन व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर होना चाहिए न कि उसकी जाति, रूप-रंग, धर्म या उपनाम के आधार पर किया जाए।

चिंतन-मनन

क्या हैं आध्यात्मिक होने का अर्थ

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें ठीक-ठीक ऐसा क्या करना चाहिए ताकि वह जो परम है, जो परमेश्वर है, वह मेरे जीवन में घटित हो सके? सदगुरु इसका उत्तर देते हैं कि अध्यात्म भीगी बिल्लियों के लिए नहीं है, क्या तुम समझ रहे हो? तुम अपने जीवन में और कुछ भी नहीं कर सकते हो, लेकिन सोचते हो कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूँ, ऐसा नहीं है। अगर तुम इस संसार के किसी भी काम को अपने हाथ में लेकर कर सकते हो, फिर तुम्हारे आध्यात्मिक होने की एक संभावना पैदा हो सकती है, अन्यथा नहीं। अगर तुम्हारे पास इस संसार के किसी भी काम को लेकर और अच्छी तरह से करने की शक्ति और साहस है, तब तुम संभवतः आध्यात्मिक हो सकते हो। यह उन लोगों के लिए नहीं है, जो कुछ भी नहीं कर सकते। अभी, पूरे देश के मन में यही बैठा हुआ है, संभवतः पूरे संसार के मन में, कि वे निकम्मे और नालायक लोग, आध्यात्मिक लोग होते हैं, क्योंकि वे तथाकथित आध्यात्मिक लोग वैसे ही हो गए हैं। वे लोग जो किसी भी चीज को करने के लायक नहीं हैं, वे बस यही करते हैं कि एक गेरुआ वस्त्र पहन कर और किसी मंदिर के सामने बैठ जाते हैं; उनका जीवन सँवर जाता है। यह अध्यात्म नहीं है, यह वर्दी पहनकर बस भीख माँगना है। अगर तुम्हें अपनी चेतना पर विजय प्राप्त करनी है, अगर तुम्हें अपनी चेतना के शिखर पर पहुँचना है, वहाँ एक भिखारी कभी नहीं पहुँच सकता। दो तरह के भिखारी होते हैं। गौतम बुद्ध तथा उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूँगा कि एक सड़क का भिखारी तथा राजगद्दी पर बैठा हुआ एक राजा, दोनों ही भिखारी हैं। वे निरन्तर बाहर से कुछ माँग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आय माँग रहा हो। राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर विजय, खुशी या कुछ इस तरह की अनर्गल चीजें माँग रहा हो। क्या तुम देखते हो, हर व्यक्ति किसी न किसी चीज की भीख माँग रहा है: गौतम बुद्ध ने केवल अपने भोजन के लिए भिक्षा माँगी, शेष चीजों के लिए वे आत्मनिर्भर थे। दूसरे सभी लोग, बस एक ही चीज के लिए भीख नहीं माँगते, अपना भोजन भीख में नहीं माँगते, बाकी सभी चीजों के लिए भीख माँगते हैं। उनका पूरा जीवन ही भीख माँगना है। केवल भोजन अर्जित करते हैं। लेकिन एक आध्यात्मिक व्यक्ति, केवल भोजन के लिए भिक्षा माँगता है, अन्य सभी चीजें अपने भीतर से अर्जित करता है। जिस भी तरह से रहना तुम बेहतर मानते हो, उसी तरह से रहो। जिस भी तरह से रहने को तुम जीने का एक सशक्त ढंग मानते हो, उसी तरह से जिओ।

विश्व आदिवासी अधिकार दिवसः संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के संदर्भ में आदिवासी अधिकार

राज कुमार सिन्हा

13 सितंबर का दिन आदिवासी समुदायों के अधिकारों के संघर्ष के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 13 सितंबर 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'संयुक्त राष्ट्र आदिवासी लोगों के अधिकारों की घोषणा' को भारी बहुमत से स्वीकार किया था। घोषणा के पक्ष में 143 देशों ने मतदान किया था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह घोषणा दुनिया के आदिवासी लोगों के अस्तित्व, गरिमा, कल्याण, संस्कृति, भूमि और सामूहिक अधिकारों के लिए न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मानकों का व्यापक ढांचा है। यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है कि आदिवासी समुदायों का सवाल केवल गरीबी या पिछड़ेपन का सवाल नहीं है, बल्कि पहचान, संस्कृति, स्वशासन, भूमि, प्राकृतिक संसाधनों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिकारपूर्ण भागीदारी का सवाल है। भारत में भी आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान ने सामान्य नागरिक अधिकारों से आगे बढ़कर विशेष संवैधानिक और वैधानिक व्यवस्था की है। भारतीय संविधान ने अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण, स्वशासन तथा प्राकृतिक संसाधनों पर उनके परंपरागत अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधान किए हैं। संविधान का अनुच्छेद 244 पांचवीं एवं छठी अनुसूची के प्रशासन की आधारशिला है। पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आने वाले राज्यों में राज्यपाल को विशेष संवैधानिक दायित्व सौंपे गए हैं, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अनुसूचित क्षेत्रों में लागू होने वाले कानून आदिवासी समाज की परंपराओं, संस्कृति, आजीविका तथा सामुदायिक अधिकारों के प्रतिकूल न हों।पांचवीं अनुसूची के पैरा 5(1) के अनुसार राज्यपाल किसी भी संसदीय या राज्य कानून को अनुसूचित क्षेत्रों में पूर्णतः लागू न करने, संशोधित रूप में लागू करने अथवा आवश्यक अपवादों एवं परिवर्तनों के साथ लागू करने का अधिकार रखते हैं। वहीं पैरा 5(2) राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों में शांति और सुशासन के लिए विनियम बनाने की शक्ति प्रदान करता है। इन विनियमों के माध्यम से भूमि हस्तांतरण पर रोक, आदिवासियों की भूमि की सुरक्षा तथा साहूकारी जैसी शोषणकारी व्यवस्थाओं को नियंत्रित किया जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के लिए केंद्र सरकार राज्यों को विशेष अनुदान प्रदान करती है। अनुच्छेद 338A के तहत गठित राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के संरक्षण, निगरानी तथा सरकार को अनुशंसा देने का अधिकार प्राप्त है।संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम स्वशासन को सशक्त बनाने हेतु पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) लागू किया गया। इस कानून के अनुसार ग्राम सभा को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, लघु वनोपज, जल स्रोतों, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, खनन, स्थानीय योजनाओं तथा सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े विषयों पर निर्णायक भूमिका प्रदान की गई है। ग्राम सभा को आदिवासी स्वशासन की मूल इकाई माना गया है।इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकारों को कानूनी मान्यता दी गई। इस कानून में सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन एवं उपयोग का अधिकार ग्राम सभा को दिया गया है तथा यह स्वीकार किया गया है कि वनों के संरक्षण में आदिवासी समुदायों की ऐतिहासिक भूमिका रही है। इसके अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित वर्तमान कानूनों में भी अनुसूचित क्षेत्रों के लिए ग्राम सभा की सहमति, सामाजिक प्रभाव आकलन तथा प्रभावित परिवारों के अधिकारों के संरक्षण संबंधी विशेष प्रावधान किए गए हैं। आदिवासी उप-योजना (ट्राइबल सब प्लान- टीएसपी) भारत में अनुसूचित जनजातियों के त्वरित और सर्वांगीण विकास के लिए बनाई गई एक विशेष रणनीति और वित्तीय व्यवस्था है। इसके तहत कुल योजना बजट का एक निश्चित हिस्सा (आमतौर पर उनकी जनसंख्या के अनुपात में) आदिवासी क्षेत्रों और समुदायों के विकास के लिए आरक्षित रखा जाता है। यह योजना उन ब्लॉकों या तहसीलों में लागू की जाती है जहां आदिवासी आबादी 50 प्रतिशत या उससे अधिक होती है। इसका मुख्य उद्देश्य है शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को बढ़ाना तथा आदिवासियों का शोषण रोकना है।

पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

ललित गर्ग

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पधाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है।

संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है। भगवान महावीर का संदेश-'मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ'-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं।

आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है।

पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मोन्नयन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सवेरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संक्षिप्त समाचार

तपती धरती, उबलते समंदर: अगस्त बना इतिहास का सबसे गर्म महीना, पूर्वी यूरोप में गंभीर सूखे की स्थिति; आगे क्या

जेनेवा, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर जलवायु संकट ने एक बार फिर खतरे की घंटी बजा दी है। यूरोपीय संघ की प्रमुख निगरानी संस्था कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 जुलाई 2023 के साथ संयुक्त रूप से इतिहास का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया है। इस दौरान दुनिया का औसत वायु तापमान 16.96 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991–2020 के औसत से 0.85 डिग्री सेल्सियस और पूर्व–औद्योगिक काल (1850–1900) की तुलना में 1.65 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह अप्रत्याशित गर्मी जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) के जलने से वायुमंडल में लगातार बढ़ रही ग्रीनहाउस गैसों और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सक्रिय हो रही मजबूत अल नीनो परिस्थितियों का मिला–जुला नतीजा है। महासागरों का तापमान भी रिकॉर्ड स्तर पर है। 60 डिग्री दक्षिण से 60 डिग्री उत्तर के बीच गैर–ध्रुवीय महासागरों का औसत सतही तापमान 21.07 डिग्री दर्ज किया। इसने अगस्त 2023 में बने 20.98 डिग्री के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पश्चिमी यूरोप ने अपने इतिहास की सबसे भीषण गर्मी का सामना किया, जिसने 2003 के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। मई महीने से शुरू हुआ भीषण लू का सिलसिला अगस्त तक जारी रहा। गर्मी के साथ पश्चिमी, मध्य और पूर्वी यूरोप के बड़े हिस्से में गंभीर सूखे की स्थिति बन गई।

अमेरिकी थिंकटैंक एफएएस की रिपोर्ट 160+ हथियार तैयार किए जा चुके; 730 किलो प्लूटोनियम मौजूद; और क्या खास

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के परमाणु शस्त्रागार में अनुमानित रूप से 190 एटमी हथियार हैं, जिनमें नई मिसाइलों के लिए तैयार किए जा रहे 30 अतिरिक्त हथियार भी शामिल हैं। यही नहीं, उसके पास करीब 35 परमाणु हथियार तैयार करने लायक प्लूटोनियम भी रिजर्व भंडार में है। यह बात अमेरिका के एक गैर–सरकारी थिंकटैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कही है। एफएएस ने यह अनुमान ओपन सोर्स पर उपलब्ध जानकारी, सरकारी डाटा और कमर्शियल सैटेलाइट से मिली तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर लगाया है। एफएएस के न्यूक्लियर इंफॉर्मेशन प्रोजेक्ट के निदेशक हंस क्रिस्टेनसेन के बुधवार को प्रकाशित लेख में कहा गया है कि भारत अपने परमाणु शस्त्रागार को लगातार आधुनिक बना रहा है। एफएएस के मुताबिक, 2026 की शुरुआत तक इंटरनेशनल पैनल ऑन फिसाइल मटेरियल्स का अनुमान था कि भारत ने लगभग 730 किलोग्राम हथियार–ग्रेड प्लूटोनियम का उत्पादन किया है। यह सैद्धांतिक रूप से 140 से 225 के बीच परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त होगा। लेख में कहा गया, भारत करीब 190 हथियार असेंबल कर चुका है। लेकिन यह सिर्फ अनुमानित संख्या है, क्योंकि हथियार में कितना प्लूटोनियम इस्तेमाल होगा, यह काफी हद तक उसके डिजाइन पर निर्भर करता है। एफएएस के मुताबिक, भारत जमीन, हवा और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित कर रहा है।

नेपाल में बाढ़ के बाद 70 अमेरिकी नागरिक अभी भी लापता, 18 बचाए गए; त्रासदी पर क्या बोला विदेश विभाग

वाशिंगटन, एजेंसी। नेपाल–चीन सीमा क्षेत्र में आई भीषण आपदा के बाद करीब 70 अमेरिकी नागरिक अब भी लापता हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि आपदा में सड़कें और पुल तबाह हो गए हैं, जबकि कई पूरे गांव भी मलबे में दब गए हैं। विदेश विभाग के मुताबिक, गुरुवार दोपहर तक 18 अमेरिकी नागरिक सुरक्षित स्थानों पर पहुंच चुके हैं। विभाग ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि काठमांडू में मौजूद अमेरिकी टीम नेपाल पहुंचे सभी प्रभावित परिवारों से मिल चुकी है। वहीं, वॉशिंगटन में तैनात अधिकारी अमेरिका में मौजूद परिवारों के साथ लगातार संपर्क में हैं।प्रवक्ता ने बताया कि राहत और बचाव दलों के लिए हालात बेहद मुश्किल हैं। आपदा में सड़कें, पुल और पूरे गांव नष्ट हो गए हैं। कई इलाकों का नक्शा ही बदल गया है। कुछ जगहों पर पहले जहां लोग रहते थे, वहां अब कई फीट तक मिट्टी और चट्टानों का मलबा जमा है। आपदा के कारण हेलीकॉप्टर से चलाए जा रहे राहत और बचाव अभियान में भी मुश्किलें आ रही हैं। पायलटों को संकरी घाटियों से उड़ान भरनी पड़ रही है।

9/11 के 25 साल: वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले के बाद कैसे बदली दुनिया अमेरिका में नहीं हुआ फिर बड़ा आतंकी हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। एक ऐसा हमला, जिसने कुछ घंटों में अमेरिका की तस्वीर बदल दी। दिन था 11 सितंबर 2001। आतंकवादियों ने चार विमानों को हाईजैक कर कई ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें से दो विमानों को न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की ट्विन टावर से टकराया। वहीं एक विमान पेंटागन से जा टकराया। चौथा विमान पेंसिल्वेनिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हमले में हजारों लोगों की जान चली गई।

घटना के 25 साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन उस दिन की दर्द आज भी लोगों के जेहन में ताजा हैं। इस हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति में बड़े बदलाव किए। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया। आइए जानतें हैं कि अमेरिका ने पिछले 25 वर्षों में ऐसा क्या किया, जिसके बाद वहां कभी भी कोई आतंकी हमला नहीं हुआ। अमेरिका ने क्या बड़े बदलाव किए हैं इसके साथ ही भारत को इससे क्या सीखना चाहिए

आतंकवाद और चरमपंथ से लड़ने के लिए क्या किया : आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने दुनिया भर में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू करने का एलान किया। इसे 'ग्लोबल वॉर ऑन टेरर' (तड्ढ्ह्ल्झ) कहा गया। इसमें सैन्य कार्रवाई के साथ आतंकियों की आर्थिक मदद रोकना शामिल था।

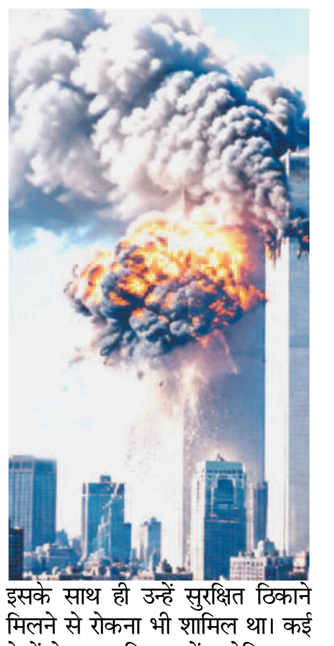

इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित ठिकाने मिलने से रोकना भी शामिल था। कई देशों ने इस अभियान में अमेरिका का साथ दिया। 20 सितंबर 2001 को बुश ने तालिबान से अल-कायदा के सदस्यों को पनाह देना बंद करने को कहा। इसके बाद 24 सितंबर को आतंकवादी संगठनों और उन्हें आर्थिक मदद देने वालों की संपत्तियां फ्रीज करने का आदेश दिया गया। 7 अक्तूबर 2001 को अमेरिका ने अफगानिस्तान में सैन्य कार्रवाई शुरू की। शुरुआती हमलों में अल-कायदा के प्रशिक्षण शिविरों और तालिबान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके साथ अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय मदद भी देने की बात कही गई। इसके बाद अमेरिका ने इराक पर भी दबाव बढ़ाया। अमेरिका ने सद्दाम हुसैन की सरकार पर आतंकवाद से संबंध और बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियार रखने जैसे आरोप लगाए। 19 मार्च 2003 को अमेरिका ने इराक में सैन्य अभियान शुरू किया, जिसका मकसद सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाना था।

डीएचएस का मुख्य मकसद क्या है : डीएचएस का मुख्य मकसद देश को आतंकवाद और दूसरे सुरक्षा खतरों से बचाना था। इसके तहत अलग-अलग सरकारी एजेंसियों को एक साथ लाया गया, ताकि उनके बीच बेहतर तालमेल हो सके। कुल 22 एजेंसियों और कार्यालयों को मिलाकर एक कैबिनेट स्तर का विभाग बनाया गया। टॉम रिज इसके पहले सचिव बने।

डीएचएस को क्यों आलोचना का सामना करना पड़ा : हालांकि, शुरुआत में डीएचएस को कामकाज में तालमेल की कमी और नौकरशाही जैसी समस्याओं को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। 2005 में आए तूफान कैटरीना के दौरान भी इसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। इसके अलावा निगरानी और नागरिक अधिकारों को लेकर भी चिंताएं सामने आईं। डीएचएस ने लोगों को आतंकवादी खतरों के बारे में जानकारी देने के लिए सुरक्षा चेतावनी प्रणाली शुरू की, जिसे बाद में 2011 में नेशनल टेररिज्म एडवाइजरी सिस्टम से बदल दिया गया। इसका उद्देश्य आतंकवाद से निपटने के साथ देश की आपदा और आपातकालीन तैयारियों को मजबूत करना था।

यूएसए पेट्रियट एक्ट 26 अक्टूबर 2001 को 9/11 आतंकी हमलों के बाद लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य अमेरिका की घरेलू सुरक्षा को मजबूत करना और आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच को आसान बनाना था। इस कानून के तहत सुरक्षा और जांच एजेंसियों को आतंकवाद की रोकथाम और जांच के लिए कई अधिकार दिए गए। कानून के तहत आतंकवाद से जुड़े मामलों में निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने की प्रक्रिया को मजबूत किया गया। अलग-अलग पुलिस, खुफिया और जांच एजेंसियों के बीच जानकारी साझा करने के रास्ते भी आसान किए गए। इसका मकसद यह था कि किसी संभावित आतंकी साजिश की जानकारी समय रहते मिल सके और उस पर कार्रवाई की जा सके। पेट्रियट एक्ट में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के लिए होने वाली आर्थिक मदद पर रोक लगाने के लिए भी कई प्रावधान किए गए। 10 हजार डॉलर से ज्यादा की नकदी को अवैध तरीके से अमेरिका के अंदर या बाहर ले जाने पर नए नियम और सजा का प्रावधान किया गया।साइबर अपराध और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर संभावित आतंकी हमलों से निपटने के लिए भी एजेंसियों को अतिरिक्त अधिकार दिए गए।

मिस्टर सिंह' वाले विज्ञापन पर मचा बवाल, सरकार ने हटाया पोस्ट; क्यों हुआ इतना विरोध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने गुरुवार को एक विवादित विज्ञापन हटा दिया। इसमें 'मिस्टर सिंह' से अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया था। भारतीय मूल अमेरिकियों के संगठनों और डेमोक्रेटिक नेताओं ने इसका विरोध किया था। उन्होंने इसे नस्लवादी प्रचार बताया था।

गृह सुरक्षा विभाग ने बिना लाइसेंस वाहन चलाने वाले लोगों के खिलाफ यह अभियान शुरू किया था। इसी अभियान के तहत यह विज्ञापन जारी किया गया था। इसके लिए एक्स पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई गई तस्वीर का इस्तेमाल किया गया। तस्वीर में दाढ़ी वाला एक सांवले रंग का व्यक्ति दिखाया गया था। उसके साथ लिखा था- हमारी सड़कों से हट जाओ, मिस्टर सिंह, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता।

विरोध क्यों हुआ : इस विज्ञापन का भारतीय-अमेरिकी और सिख संगठनों ने जोरदार विरोध किया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और सांसद राजा कृष्णमूर्ति जैसे डेमोक्रेट नेताओं ने भी इसका विरोध किया। न्यूसम के प्रेस कार्यालय ने एक्स पर कहा, यह घिनौना है। ट्रंप सरकार सिख समुदाय को निशाना बनाकर नस्लवादी प्रचार कर रही है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख कोएलिशन, हिंदू एक्शन और कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका जैसे संगठनों ने भी विज्ञापन को अमेरिकी मूल्यों के खिलाफ और नस्लवादी बताया। गृह

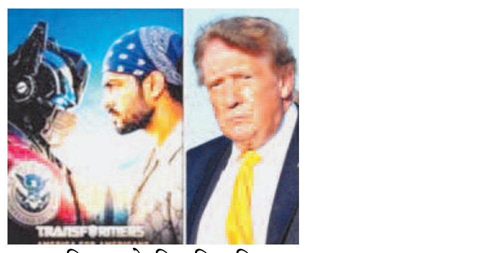

सुरक्षा विभाग ने विवादित विज्ञापन तो हटा दिया। लेकिन उसने न्यूसम पर पलटवार किया। विभाग ने उन पर अवैध प्रवासियों को व्यावसायिक वाहन चलाने के लाइसेंस देने का आरोप लगाया। न्यूसम को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव का संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

भारतीय समुदाय के संगठनों ने क्या कहा : भारतीय समुदाय के संगठनों ने विज्ञापन हटाने का स्वागत किया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग ने वह पोस्ट हटा दी है, जिस पर संगठन ने एक दिन पहले आपत्ति जताई थी। हालांकि, संगठन ने कहा कि किसी संघीय एजेंसी का भारतीय या सिख व्यक्ति का नस्लीय रूप दिखाकर राजनीतिक संदेश देना गंभीर बात है। पोस्ट हटाना केवल पहला कदम है। संगठन ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी, सिख, हिंदू और दक्षिण एशियाई लोगों को अपनी सरकार से इससे बेहतर व्यवहार की उम्मीद है। विभाग ने ट्रक चालक हरजिंदर सिंह का एक वीडियो भी पोस्ट किया। हरजिंदर सिंह को पिछले साल एक गैरकानूनी यू-टर्न के कारण हुए हादसे के बाद गिरफ्तार किया गया था।

अवैध प्रवासी को अदालत से बाहर जाने देने के आरोप में जज पर कार्रवाई; आठ साल पुराने मामले में क्या हुआ

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स की सबसे बड़ी अदालत ने गुरुवार को जिला अदालत की जज शेली जोसेफ को सार्वजनिक रूप से कड़ी फटकार लगाई। उन पर आरोप था कि उन्होंने एक प्रवासी को अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत से भागने में मदद की थी। यह मामला 2018 का है। उस समय जज शेली जोसेफ पर आरोप लगा था कि उन्होंने अप्रवासी के वकील और अदालत के एक अधिकारी के साथ मिलकर उसे भागने दिया। आरोप था कि सुनवाई के बाद उसे अदालत की इमारत के पिछले दरवाजे से बाहर निकलने दिया गया। उस पर नशीली दवाएं रखने समेत कई आरोप थे। सर्वोच्च न्यायिक अदालत ने यह फैसला न्यायिक आचरण आयोग के सुनवाई अधिकारी की सिफारिश के बाद दिया। आयोग ने माना था कि जोसेफ के काम से गलत आचरण का आभास हुआ। उन्होंने कानून का भी पालन नहीं किया। अदालत के फैसले के मुताबिक, जोसेफ ने प्रवासी को रातभर राज्य की हिरासत में रखने का सुझाव दिया था। उन्होंने अदालत के लिपिक को सुनवाई की आवाज रिकॉर्ड करने वाली व्यवस्था बंद करने का निर्देश भी दिया था। अदालत ने कहा कि इन कामों से गलत आचरण का आभास हुआ और यह उनके न्यायिक कर्तव्यों के खिलाफ था। जोसेफ की वकील एलिजाबेथ मुलवे ने पिछले साल आयोग की सुनवाई में कहा था कि समय के साथ इस मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। लोगों को लगने लगा कि उनकी मुवक्किल ने 'एक अवैध अप्रवासी को दरवाजे से बाहर जाने दिया'। उनके मुताबिक, कुछ लोग जोसेफ को जेल भेजने की बात कर रहे थे। वहीं कुछ लोग उन्हें 'जनता की नायिका' बता रहे थे। मुलवे ने कहा कि जोसेफ को मीडिया में बदनाम किया गया। लोग ऐसा दिखा रहे थे, जैसे दर्जनों लोगों ने जोसेफ को जज की कुर्सी से उठकर जाते हुए देखा हो। इसके बाद वह आरोपी को दरवाजे तक ले गई हो। उसे गले लगाया और सुरक्षित यात्रा की शुभकामना दी।

चार्ली किर्क की पहली बरसी: यूएस में राष्ट्रपति के करीबी को श्रद्धांजलि, ट्रंप क्या बोले 2025 में हुई थी हत्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रिपब्लिकन मिडटर्म सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को रिपब्लिकन नेताओं और समर्थकों ने 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' के संस्थापक चार्ली किर्क को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा हॉल 'चार्ली, चार्ली' के नारों से गूंज उठा। बता दें कि एक साल पहले किर्क की हत्या कर दी गई थी। डलास के बास्केटबॉल स्टेडियम में जुटी भीड़ उस समय एकदम खामोश हो गई, जब किर्क के सम्मान में पांच मिनट का एक स्मृति वीडियो दिखाया गया। इस वीडियो ने सम्मेलन के सियासी माहौल को कुछ देर के लिए पूरी तरह गमगीन कर दिया। ट्रंप वॉर रूम नाम के ट्रुथ सोशल हैंडल पर किर्क को महान बताया गया। ट्रंप ने इस संदेश और वीडियो को रिपोस्ट किया।

क्या बोले टर्निंग पॉइंट के उपाध्यक्ष : इस दौरान टर्निंग पॉइंट के उपाध्यक्ष और पादरी लुकास माइल्स ने कहा कि एक साल बीत जाने के बाद भी चार्ली किर्क की आवाज कमजोर नहीं पड़ी है। उन्होंने बताया कि इस एक साल में संगठन के सदस्यों और सोशल मीडिया पर उनके समर्थकों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। माइल्स ने सम्मेलन में कहा- टर्निंग पॉइंट खत्म नहीं हुआ है। चार्ली ने जिस संस्था की नींव रखी थी, वह लगातार बढ़ रही है और अब एक नई पीढ़ी आगे आ रही है। चार्ली किर्क अमेरिकी दक्षिणपंथ में एक बेहद असरदार चेहरा थे। उन्होंने कॉलेज परिसरों में युवाओं का एक बड़ा नेटवर्क तैयार किया, एक चर्चित पॉडकास्ट चलाया और युवा रूढ़िवादी ईसाइयों के बीच गहरी पकड़ बनाई। वह डोनाल्ड ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के अलग-अलग गुटों को एकजुट रखने वाले एक अहम सूत्रधार भी थे।

किर्क की हत्या 10 सितंबर 2025 को यूटा वैली यूनिवर्सिटी कैंपस में उस समय कर दी गई थी, जब वह छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मामले में 23 साल के टायलर रॉबिन्सन पर हत्या का गंभीर आरोप है और दोष साबित होने पर उसे मौत तक की सजा मिल सकती है। उसने घटना के अगले दिन खुद सरेंडर कर दिया था, हालांकि अदालत में उसने खुद को बेकसूर बताया है। किर्क की मौत के बाद संगठन में आंतरिक खींचतान भी देखने को मिली है। जानी-मानी पॉडकास्टर कैंडिस ओवेन्स समेत कई लोगों ने सरकारी वकीलों की इस थ्योरी पर सवाल उठाए हैं कि हत्या में सिर्फ रॉबिन्सन ही शामिल था। इसे लेकर इंटरनेट पर भी कई तरह के दावे किए जा रहे हैं।

अब किर्क की पत्नी एरिका किर्क को टर्निंग पॉइंट की नई सीईओ बनाया गया है, जो अब सार्वजनिक भाषणों का जिम्मा संभाल रही हैं। साथ ही डिबेट कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए अन्य विश्लेषकों को भी मंच दिया जा रहा है। संगठन ने यूटा के ओरेम स्थित उस यूनिवर्सिटी कैंपस में भी एक शोक सभा रखी, जहां किर्क की हत्या हुई थी। संगठन ने अपने बयान में कहा कि किर्क की कमी आज भी महसूस की जा रही है।

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट में गहराया संकट: लगातार दूसरी बैठक रद्द, जजों पर भ्रष्टाचार के मामले में बढ़ा विवाद

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन की सुनवाई रद्द कर दी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब देश में राजनीतिक और संस्थागत संकट गहराता जा रहा है। कोर्ट के कई सदस्यों पर भ्रष्टाचार, राजनीतिक पक्षपात और पुलिस के काम में दखल देने के आरोपों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस विवाद का असर अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों पर भी पड़ रहा है।

चीफ जस्टिस लुइज एडसन फाचिन ने गुरुवार की बैठक टालते हुए मंगलवार को अगली बैठक तय की है, जबकि आमतौर पर मंगलवार को कोर्ट की ऐसी बैठक नहीं होती।

मंगलवार को सभी 10 जजों की बेंच इस बात पर फैसला करेगी कि क्या उनके ही एक साथी जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस के खिलाफ जांच होनी चाहिए। मोरेस पर धोखाधड़ी के आरोपों के बाद बंद हो चुके 'बैंको मास्टर' के मालिक के साथ कथित संबंधों का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट में यह विवाद 1 सितंबर को तब बढ़ा, जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के कार्यकाल में नियुक्त हुए जज आंद्रे मेंडोंका ने फेडरल पुलिस के गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक किए। इन दस्तावेजों के मुताबिक, बैंक मालिक डेनियल वोर्कारो ने कानूनी सलाह के लिए कई बार जज मोरेस से संपर्क किया था। इसके बाद से ही मोरेस और मेंडोंका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। मोरेस को उस समय मौजूदा राष्ट्रपति लुला डा सिल्वा के समर्थकों ने बहुत सराहा था, जब उन्होंने पिछले साल तख्तापलट की साजिश रचने के जुर्म में पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को 27 साल की जेल की सजा सुनाई थी। दूसरी तरफ, मेंडोंका सुप्रीम कोर्ट का जज बनने से पहले बोल्सोनारो की सरकार में सॉलिसिटर-जनरल रह चुके हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में डी मोरेस ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने मेंडोंका के खिलाफ कथित तौर पर अधिकारों के दुरुपयोग की जांच की मांग की। मामला बैंकर से हुई एक बातचीत से जुड़ा है, जिसमें पुलिस या अभियोजकों की मौजूदगी नहीं थी।

इस कानूनी जंग ने ब्राजील की राजनीति में भी भूचाल ला दिया है। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला डा सिल्वा और आगामी चुनाव में उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी यानी पूर्व राष्ट्रपति के बेटे सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो, दोनों अपने-अपने राजनीतिक नफे-नुकसान को देखते हुए जजों के खिलाफ जांच की मांग कर रहे हैं।

जेल में बिगड़ी मादुरो की पत्नी की सेहत: 11 किलो वजन घटा; दिल की बीमारी के बीच घर में नजरबंदी की मांग क्यों

अल्बानी, एजेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की पत्नी और देश की पूर्व प्रथम महिला सीलिया फ्लोरेस ने अमेरिका की अदालत से जेल से बाहर आने की मांग की है। 69 वर्षीय फ्लोरेस इस समय ब्रुकलिन की संघीय जेल में बंद हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि जेल में रहने के दौरान उनकी दिल की बीमारी और बिगड़ गई है। इसलिए उन्हें मुकदमे की सुनवाई तक जेल के बजाय घर में नजरबंद रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। फ्लोरेस के वकीलों ने बुधवार को अदालत में आवेदन दिया है। उन्होंने मैनहट्टन संघीय अदालत के क्षेत्र में घर में रखने की मांग की। अगले साल जून में फ्लोरेस और मादुरो का मुकदमा होना है। घर में रहने के दौरान 24 घंटे सशस्त्र निगरानी की बात कही गई है।

घर में नजरबंदी की स्थिति में फ्लोरेस पर कैसी पाबंदियां रहेंगी : वकीलों मार्क डोनेली और एंड्रेस सांचेज ने अदालत को बताया कि घर में रहने की अनुमति मिलने पर फ्लोरेस की कड़ी निगरानी की जाएगी। उनके मुताबिक, उन्हें 24 घंटे सशस्त्र सुरक्षा में रखा जाएगा। उनसे मिलने वाले लोगों को अदालत और संघीय अभियोजकों से मंजूरी लेनी होगी। घर में वीडियो के जरिये निगरानी होगी और उनके फोन कॉल रिकॉर्ड किए जाएंगे। यानी वकील जेल से बाहर आने की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूरी तरह खुली आजादी नहीं।

फ्लोरेस कई वर्षों से माइट्रल वाल्व प्रोलैप्स नाम की दिल की बीमारी से जूझ रही हैं। वकीलों का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद से उन्हें इस बीमारी को संभालने के लिए जरूरी मासिक इंजेक्शन नहीं मिला है। इसके बजाय उन्हें बेबी एस्पिरिन, स्टैटिन और डिल्टियाजेम

दी जा रही हैं, जबकि सीने में दर्द होने पर नाइट्रोग्लिसरीन लेने को कहा गया है। फ्लोरेस लगातार रिफ्लक्स और गैस्ट्राइटिस से भी परेशान हैं। जेल में रहते हुए उनके दो दांत निकल चुके हैं। उनका वजन 11.3 किलोग्राम से ज्यादा कम हो गया है। डॉक्टरों ने उन्हें कार्डियक कैथेटराइजेशन कराने की सलाह दी है। फ्लोरेस और उनके पति निकोलस मादुरो को जनवरी की शुरुआत में काराकास स्थित उनके घर से अमेरिकी बलों ने आधी रात की कार्रवाई में हिरासत में लिया था। इसके बाद दोनों को न्यूयॉर्क लाया गया। अमेरिका ने दोनों पर कोकीन को अमेरिका पहुंचाने की साजिश में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। दोनों ने इन आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। अलग अदालत में दाखिल एक याचिका में दोनों ने अपने खिलाफ आरोपपत्र खारिज करने की मांग भी की है। उनका कहना है कि किसी विदेशी देश के नेता और प्रथम महिला होने के कारण उन्हें कानूनी छूट यानी इम्युनिटी हासिल है। अभी अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने फ्लोरेस की घर में नजरबंदी की मांग पर जवाब दाखिल नहीं किया है। मैनहट्टन स्थित अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के प्रवक्ता ने भी टिप्पणी करने से इनकार किया है।

पुतिन का प्लेन नहीं, कमांड सेंटर: किसमें हैं रूसी राष्ट्रपति पहचानना मुश्किल; क्यों साथ उड़ते हैं दो विमान

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। लेकिन उनकी यात्रा में सिर्फ कूटनीतिक मुलाकातें ही चर्चा में नहीं हैं। उनके भारत आने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। पुतिन जिस खास विमान से यात्रा करते हैं, उसकी सुरक्षा व्यवस्था इतनी गोपनीय रखी जाती है कि बाहर से यह पता लगाना मुश्किल होता है कि राष्ट्रपति आखिर किस विमान में सवार हैं। हाल की रिपोर्टों में उनके विमान को 'फ्लाइंग क्रेमलिन' भी कहा गया है।

इस यात्रा के दौरान खास बात यह रही कि पुतिन के साथ एक जैसा दूसरा विमान भी उड़ता दिखाई दिया। दोनों का मॉडल, रंग और बाहरी डिजाइन एक जैसा था। यानी आसमान से देखने वाले के लिए दोनों में अंतर करना आसान नहीं था। यही पूरी सुरक्षा रणनीति का सबसे अहम हिस्सा है।

दो एक जैसे विमान क्यों उड़ते हैं पुतिन के साथ : रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को से आईएल-96-300पीयू मॉडल के दो एक जैसे विमानों के साथ भारत के लिए उड़ान भरी। इनमें से एक विमान में राष्ट्रपति होते हैं, जबकि दूसरा डिकॉय विमान के तौर पर साथ उड़ता है। इसका मकसद यह भ्रम बनाए रखना है कि पुतिन वास्तव में किस विमान में मौजूद हैं।

डिकॉय फ्लाइट की रणनीति ऐसे समझें: दोनों विमान एक ही मॉडल के होते हैं और उनका रंग-रूप भी एक जैसा रखा जाता है, ताकि बाहर से पहचान करना मुश्किल रहे। दोनों विमान एक साथ उड़ान भरते हैं और पुतिन इनमें से किसी एक में होते हैं, लेकिन कौन से विमान में हैं, यह सार्वजनिक तौर पर पता नहीं चलता। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यही है कि किसी संभावित हमलावर के लिए पहले यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि राष्ट्रपति किस विमान में यात्रा कर रहे हैं। राष्ट्रपति के विमान की वास्तविक पहचान की जानकारी उनकी सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों तक ही सीमित रहती है।

क्या रडार पर भी दोनों विमानों को लेकर भ्रम पैदा किया जाता है :

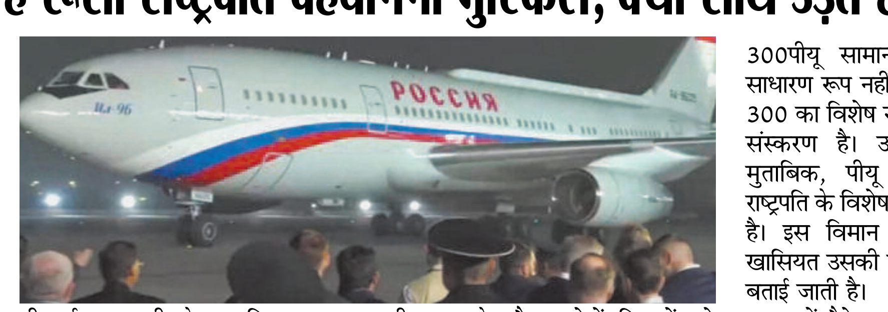

दी गई जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ दो एक जैसे विमान उड़ाने तक सीमित नहीं है। दोनों विमानों के रडार सिग्नल में भी समय-समय पर बदलाव होता है। कभी एक विमान का सिग्नल बंद दिखाई देता है तो कभी दूसरे का। कुछ समय के लिए दोनों विमान ट्रैकिंग सिस्टम पर दिखाई नहीं देते। यही वजह है कि केवल सार्वजनिक फ्लाइट ट्रैकिंग के आधार पर यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि पुतिन किस विमान में हैं। इस तरह की डिकॉय ड्रिल पहले भी उनकी यात्राओं में दिखाई दे चुकी है।

कजाकिस्तान यात्रा में भी दिखी थी ऐसी ही रणनीति : कजाकिस्तान की यात्रा के दौरान दोनों विमानों को फ्लाइट ट्रैकर पर एक-दूसरे के बेहद करीब उड़ते देखा गया था। दोनों विमान लगभग एक ही गति से उड़ रहे थे, जिससे यह पहचानना और मुश्किल हो गया कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं।

उस समय दोनों विमानों की पहचान आरएसडी221 और आरएसडी369 के तौर पर हुई थी। इसके बावजूद सार्वजनिक ट्रैकिंग से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि पुतिन इनमें से किस विमान में सवार थे।

पुतिन का आईएल-96-300पीयू विमान आम विमान से कितना अलग : पुतिन का विमान आईएल-96-300पीयू सामान्य यात्री विमान का साधारण रूप नहीं है। यह आईएल-96-300 का विशेष रूप से तैयार किया गया संस्करण है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, पीयू का इस्तेमाल रूसी राष्ट्रपति के विशेष विमान के तौर पर होता है। इस विमान की सबसे महत्वपूर्ण खासियत उसकी सुरक्षित संचार व्यवस्था बताई जाती है।

इसमें सैटेलाइट फोन और ऐसी विशेष संचार सुविधाओं का जिक्र है, जिनकी मदद से राष्ट्रपति यात्रा के दौरान भी रूस से संपर्क में रह सकते हैं। विमान को मिसाइल हमले से बचाने के लिए विशेष सुरक्षा उपकरणों से लैस बताया गया है। इसी वजह से इसे आम राष्ट्रपति विमान से कहीं ज्यादा सुरक्षित और विशेष विमान माना जाता है। विमान में सैटेलाइट फोन और विशेष संचार व्यवस्था मौजूद होने की जानकारी दी गई है, ताकि यात्रा के दौरान भी संपर्क बना रहे। इसमें मिसाइल हमले से बचाने वाली विशेष सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र है, जो विमान की सुरक्षा को मजबूत बनाती है।

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्त्रोतों की आवश्यकता होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए कार्ब्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

मिलेगी एनर्जी

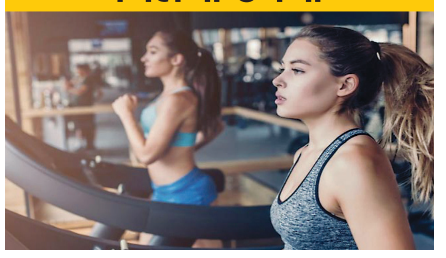

प्रोटीन

प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ट साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी

कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेगा। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फ्रेंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप अनावश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुट्ठी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त हैं। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें हैं- बादाम, फ्लैक्स सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज

साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्त्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो फूड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेत्ते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरूद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार

हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छाती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं

विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नीबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख है। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान

आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं

बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है, जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2585

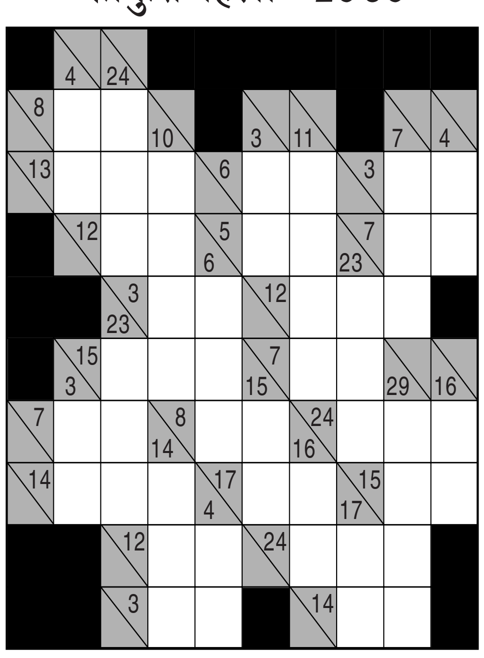

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

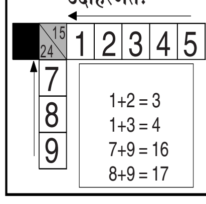

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2584 का हल

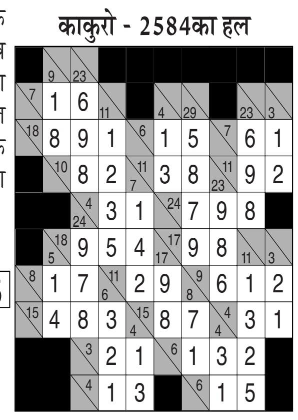

लॉफिंग ज़ोन

एक मुकदमे की सुनवाई चल रही थी. गवाही के लिए एक बूढ़ी महिला को बुलाया गया. सरकारी वकील ने बुढ़िया से पूछा, 'दादी मां, क्या आप मुझे जानती है?'

'हां, हां. बेटा मै तो तुझे बचपन से जानती हूं पर तुमने मुझे बहुत निराश किया है. तुम झूठ बोलते हो, अपनी बीवी को पीटते हो और लोगों के बारे में पीठ पीछे बाते करते हो. तुम खुद को तीसमारखां समझते हो, लेकिन तुम्हें पता नही है कि तुम किसी लायक नही हो.' बुढ़िया ने जवाब दिया. सरकारी वकील सन्न रह गया. हिम्मत बटोरकर उसने पूछा, 'दादी मां, क्या आप दूसरे वकील को भी जानती हैं?'

'हां, हां. बेटा मै तो उसको भी जानती रही हूं. वह भी बिल्कुल तुम्हारे जैसा है. वह बहुत आलसी भी है और शराब का कीड़ा है. दुनिया में किसी से उसकी निभ नहीं सकती.' बुढ़िया ने जवाब दिया.

अदालत सन्न रह गई. जज ने तुरंत हथौडा पीटा, दोनों वकीलों को अपने पास बुलाया और बेहद कड़ी आवाज में फुसफुसाकर कहा, 'अगर तुममें से किसी ने भी बुढ़िया से यह पूछा कि क्या वह मुझे जानती है तो मै तुम्हें अदालत की अवमानना करने के जुर्म में जेल भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2585

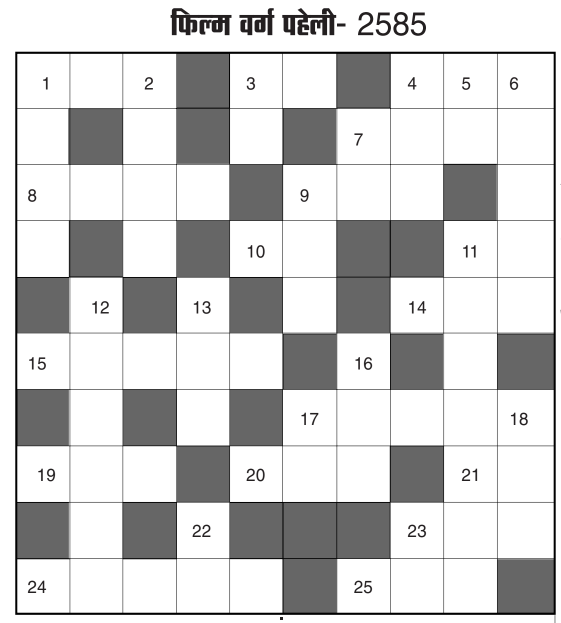

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2584

सूडोकु -2585

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2584 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 2585

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -2584 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल		मा	न	व	ता
त	न		ल		ल	म्बा	ई		श	र
रा		आ	क	र्ष	क		न	स		को
धि	क्का	र	ना			अ		च	प	ल
का		क्ष		भा	गी	दा	र		र	
र	म	ण	यो	ग्य		व	ज	न	दा	र
	ह		ग	फ	ल	त		म		ह
द	ल	ना		ल			य	की	न	न
श		का	व्य		त	न	म	न		स
ह	रा		स	ला	मी		रा		रा	ह
रा	ह	ज	न		ज	हा	ज	चा	ल	न

दिल्ली के नंद नगरी में 5 मामलों में वांछित बदमाश गिरफ्तार, पुलिस ने 2 अवैध हथियार और कारतूस किए बरामद

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने नंद नगरी इलाके से एक सक्रिय अपराधी को गिरफ्तार किया है। वह हत्या की कोशिश, लूटपाट और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन जैसे पांच पुराने आपराधिक मामलों में शामिल था। पुलिस ने अपराधी के पास से दो अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि नंद नगरी थाना क्षेत्र में टीम गश्त कर रही थी। तभी उसे एक व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जिसे 4 सितंबर को नंद नगरी के सी-ब्लॉक में एक पार्क के पास पिस्तौल लोड करते देखा गया था। इस जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। फुटेज में हल्के नीले रंग की टी-शर्ट और काली टोपी पहने एक व्यक्ति को पिस्तौल लोड करते देखा गया। उसके साथ एक और व्यक्ति भी फुटेज में दिखाई दिया। जांच ??के दौरान पता चला कि सीसीटीवी फुटेज में दिखे व्यक्ति का भाई मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाता था। पूछताछ में उसने पिस्तौल लोड करने वाले व्यक्ति की पहचान अपने बड़े भाई रोहित के रूप में की।

लखनऊ में शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, सीएम से मुलाकात और आरक्षण विसंगति दूर करने की मांग

लखनऊ। 68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश को लागू करने और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने नारे लगाए और उपमुख्यमंत्री से मिलने की कोशिश की। बातचीत करते हुए एक अभ्यर्थी अजय कुमार ने कहा, 'हमारी मांग है कि हमें मुख्यमंत्री से बात करने की इजाजत दी जाए और राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा जारी आदेश को लागू किया जाए। हमें नियुक्ति पत्र भी दिया जाना चाहिए। ये हमारी मांगें हैं। हम लोग 8 वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से लगातार यही मांग की जा रही है कि आरक्षण में हुई विसंगति को लेकर आयोग की ओर से जारी आदेश को माना जाए और हमको अधिकार दिया जाए। ' बातचीत करते हुए उन्नाव से आए अभ्यर्थी शिवेश सिंह ने कहा, '68,500 शिक्षक भर्ती का मामला है। 5 प्रतिशत की छूट चारों वर्गों की मिलनी चाहिए थी। ओबीसी, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को अनारक्षित क्षेणी में रखा गया है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली पहुंचे उज्बेकिस्तान के उप प्रधानमंत्री कुचकारोव

नई दिल्ली। उज्बेकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री जमशिद कुचकारोव 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शनिवार को नई दिल्ली पहुंचे। सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के बीच आर्थिक सहयोग, वैश्विक विकास और आपसी साझेदारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यहां पहुंचने पर जमशिद कुचकारोव का भारतीय अधिकारियों ने स्वागत किया। उनका स्वागत थिम्फू स्थित भारतीय दूतावास के उप मिशन प्रमुख अनिकेत गोविंद मांडवगणे ने किया। भारत इस साल यहां राजधानी नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस दौरान ब्रिक्स के भीतर लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास पर जोर दिया जा रहा है।

तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी को लिखा पत्र

पटना। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय शरद यादव, स्वर्गीय डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह एवं स्वर्गीय रामविलास पासवान की राज्य में आदमकद प्रतिमा स्थापित करते हुए उनकी जयंती या पुण्यतिथि को राजकीय समारोह घोषित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखा। तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी को लिखे पत्र में कहा कि डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह, शरद यादव एवं रामविलास पासवान राज्य के महान विभूति होने के साथ-साथ प्रखर समाजवादी नेता थे। इन राजनेताओं ने अपने सामाजिक सरोकारों और सक्रिय राजनीतिक जीवन के माध्यम से बिहार की उल्लेखनीय सेवा की। ये देश के ऐसे सपूत रहे हैं, जिनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से हम सभी बिहारवासी सदा ऋणी रहेंगे।आपको ज्ञात होगा कि निधन से कुछ दिन पूर्व डॉ रघुवंश बाबू ने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र के माध्यम से अपनी कुछ मांगे पूर्ण करने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन 6 वर्ष बीतने के बाद भी उन मांगों पर अभी तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई।

राष्ट्रपति मुर्मु से मिले ईरानी समकक्ष पेजेश्कियन

पेजेशियन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत भ्रमण पर हैं।

एजेंसी
नई दिल्ली । ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों ने भारत-ईरान परिवर्तन, व्यापार, क्षेत्रीय सहयोग और मित्र देशों के हितों पर चर्चा की। पेजेशियन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत भ्रमण पर हैं। पेजेशशियन 18वें ब्रिक्स समिति राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल होने जा रही है। एयरपोर्ट पर केंद्रीय राज्य मंत्री (पीओसी) शांतनु ठाकुर ने उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक्स पोस्ट में कहा, 'भारत और ईरान के बीच सांस्कृतिक और लोगों के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत हैं, जो मजबूत सांस्कृतिक और लोगों के बीच सौहार्दपूर्ण रिश्ते जुड़े हुए हैं। ब्रिक्स मेट्रोपॉलिटन के मुताबिक, दोनों देश साझा

प्रगति और समृद्धि में योगदान के लिए काम कर रहे हैं। ' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेजेशियन के साथ बैठक की और पश्चिम एशिया में स्थिर शांति और दृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए जोर दिया। नई दिल्ली में ब्रिक्स समिति के बीच हुई बातचीत में पीएम मोदी ने नेविगेशन और व्यापार की आजादी और नाविकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। दो सप्ताह से भी कम समय में दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी बैठक थी। इससे पहले वे 31 अगस्त को बिश्केक में एससीओ समित के दौरान मिले थे। जब दोनों नेताओं ने पासपोर्ट के विभिन्न मापदंडों पर चर्चा की, तो प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान की नियमित और उच्च स्तरीय भागीदारी के लिए ब्रिक्स से जुड़ी बैठकों में 'मुश्किल हालात' के बावजूद भी ईरान का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने वैश्विक दक्षिण देशों के बीच बुनियादी ढांचे, नवाचार, सहयोग और स्थिरता की भावना को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स की क्षमता का जिक्र किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) के मुताबिक, पीएम मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति पेजेशियन का भी शुक्रिया अदा किया। बैठक के बाद एमी जारी ने एक बयान में कहा, 'दोस्तों के नेताओं ने पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री ने भारत के रुख को दोहराते हुए कहा कि सभी लोगों द्वारा कहा गया है कि सभी योग्यता और राजनयिकों के माध्यम से स्थिरता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में स्थिर शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने, प्रवेश और व्यापार स्वतंत्रता की रक्षा करने और नाविकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए भी जोर दिया।

भारत-ईरान रिश्तों को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी बोले, पुराने संबंध नहीं भूलने चाहिए

एजेंसी
नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के इस्तीफे और भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रमोद तिवारी ने भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए दोनों देशों के बीच संवेदनशील और दोस्ताना रिश्ते बनाए रखने की जरूरत बताई। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समुद्री यात्रियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। प्रमोद तिवारी ने कहा कि भारत को ईरान के साथ अपने पुराने संबंधों को नहीं भूलना चाहिए। आजादी के समय भारत की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी और उस दौर में अरब देशों ने भारत को कम कीमत पर कच्चा तेल उपलब्ध कराया था। तिवारी ने यह भी कहा कि ईरान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे पर भारत का समर्थन किया था। कांग्रेस सांसद ने अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को भी अनुचित बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर

निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बोलने का साहस नहीं दिखाते और उन्हें गले लगाते रहते हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के सहयोगी के यहां ईडी की छापेमारी के बाद कांग्रेस के पदों से इस्तीफा देने पर प्रमोद तिवारी ने इसे पार्टी की नैतिकता से जोड़कर देखा।

पीएम से मिले वियतनामी समकक्ष ले मिन्ह

द्विपक्षीय बैठक में साझेदारी मजबूत करने पर दिया गया जोर

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर वियतनाम के अपने समकक्ष ले मिन्ह हंग से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स समिट में पार्टनर देश के तौर पर वियतनाम की भागीदारी का स्वागत किया। इस बैठक से दोनों नेताओं को द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा करने का मौका मिला। आगे कहा गया कि ये संबंध मई 2026 में वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के जनरल सेक्रेटरी और सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के राष्ट्रपति, तो लाम की भारत यात्रा के दौरान 'एनहैंस्ड कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (व्यापक रणनीतिक साझेदारी) के स्तर तक बढ़ाए गए थे। दोनों ने आपसी महत्व के कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श

किया और अपनी साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बयान के अनुसार, भारत और वियतनाम के बीच एक पुरानी और भरोसेमंद दोस्ती है, जो साझा सांस्कृतिक विरासत, आपसी विश्वास और समझ पर आधारित है। वियतनाम भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का एक मुख्य स्तंभ है और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के व्यापक जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण साझेदार है।पीएम ले मिन्ह हंग 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए शनिवार को ही नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक्स पोस्ट में कहाः 'भारत और वियतनाम के बीच एक 'बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' है, जो दोस्ती और सहयोग के लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर आधारित है। ये संबंध रक्षा और सुरक्षा, फिनटेक, महत्वपूर्ण खनिजों और अन्य उभरते क्षेत्रों में फैल रहे हैं। दोनों पक्ष बहुपक्षीय सहयोग पर मिलकर काम करना जारी रखे हुए हैं। ' भारत की अध्यक्षता में दो दिवसीय (12-13 सितंबर) ब्रिक्स सम्मेलन नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया गया है। जिसमें समूह के सदस्य देशों के अलावा साझेदार के तौर पर शामिल देशों को भी न्योता गया है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने वियतनाम के पीएम ले मिन पहुंचे दिल्ली

एजेंसी
नई दिल्ली । वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए शनिवार को नई दिल्ली पहुंचे। केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। वियतनाम के प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत और वियतनाम के बीच एक 'बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' है। यह साझेदारी दोस्ती और सहयोग के पुराने रिश्तों पर टिकी है, जो रक्षा और सुरक्षा, फिनटेक, महत्वपूर्ण खनिजों और अन्य उभरते क्षेत्रों तक फैली हुई है। दोनों बहुपक्षीय सहयोग पर मिलकर काम करना जारी रखे हुए हैं। ' भारत शनिवार और रविवार (12-13 सितंबर) को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसमें ब्रिक्स के सदस्य और सहयोगी देशों के नेताओं के साथ-साथ विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि भी शामिल हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय है: 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण'। यह विषय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मानवता सर्वोपरि' की भावना पर आधारित और जन केंद्रित है।

पिछले महीने, वियतनाम की अपनी यात्रा के दौरान, विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) पवित्र मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री हंग से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने और उच्च-स्तरीय प्रतिबद्धताओं को ठोस नतीजों में बदलने के लिए उनके मार्गदर्शन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। बैठक के दौरान, मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। साथ ही, उन्होंने वियतनाम के राष्ट्रपति 'तो लाम' की भारत की सफल यात्रा को याद किया, जिसके दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को 'बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाया गया था।

मलेशिया के पीएम से मिले प्रधानमंत्री मोदी

द्विपक्षीय बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर हुई बात

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम ने नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की। वो 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए हैं। इस बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार, डिजिटल टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर वगैरह के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान के अनुसार, पीएम मोदी ने भारत में प्रधानमंत्री इब्राहिम का गर्मजोशी से स्वागत किया और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में साझेदार देश के तौर पर मलेशिया की भागीदारी को प्रशंसनीय बताया। दोनों ने फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा के नतीजों पर बात की और व्यापार व निवेश, रक्षा व सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा,

फिनटेक, शिक्षा, पर्यटन और लोगों के बीच आपसी संबंधों जैसे कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कोटा किनाबालु, सबाह में भारत का वाणिज्य दूतावास खोलने के लिए मलेशिया की सहमति जताई।

प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान-भारत संबंधों को मजबूत करने में मलेशिया के लगातार समर्थन की सराहना की। नेताओं ने आपसी हित के अहम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने भारत-मलेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता जताई।

मलेशियाई प्रधानमंत्री 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) कीर्ति वर्धन सिंह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

अपनी यात्रा के दौरान मलेशियाई पीएम भारत के ग्रैंड मुफ्ती से मिलने के लिए केरल जाएंगे। 2026 में ब्रिक्स अध्यक्ष के रूप में, भारत 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में 18वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

ब्रिक्स के सदस्य ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात हैं। वहीं भागेदार देश बेलारूस, क्यूबा, बोलीविया, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम हैं।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व की सीएम योगी सहित कई नेताओं ने दीं बधाई और शुभकामनाएं

एजेंसी
नई दिल्ली। श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया, 'सिख पंथ के पवित्र ग्रंथ 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी' के पावन प्रकाश पर्व की सभी सिख बंधुओं व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पावन ग्रंथ समूची मानवता को समरसता, सेवा, सत्य एवं करुणा का अमर संदेश प्रदान करता है। आइए, उनके दिव्य उपदेशों को आत्मसात कर राष्ट्र एवं समाज की उन्नति में अपना योगदान दें। ' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब मानवता, एकता, करुणा और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं! ' राजस्थान

के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन प्रकाश पर्व की आप सभी को लख-लख बधाइयां! सतगुरु जी का अलौकिक ज्ञान और आपसी प्रेम का संदेश हम सभी के जीवन को मार्गदर्शन और शक्ति प्रदान करे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन वाणी प्रेम, सेवा, समानता, करुणा और मानवता का संदेश देती है। आइए, इस पावन अवसर पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात कर सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का संकल्प लें। 'मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आप सभी को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं... गुरुवाणी के ज्ञान की ज्योति आप सभी के जीवन में संयम, शांति एवं करुणा का संचार करे। ' भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'समस्त देशवासियों को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन वाणी प्रेम, सेवा, समानता, करुणा और मानवता का संदेश देती है। आइए, इस पावन अवसर पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात कर सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का संकल्प लें...!! '

ब्रिक्स सम्मेलन के लिए दिल्ली में चाक-चौबंद सुरक्षा

700 से अधिक सीसीटीवी से निगरानी, कई प्रमुख रास्ते भी बंद

एजेंसी
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस के अलावा सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं। जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है और आने-जाने वाली सभी गाड़ियों की चेकिंग की जा रही है। दिल्ली में अलग-अलग सेक्टर जोन में पुलिसकर्मियों की तैनाती है। सुरक्षा के लिए 15,000 पुलिसकर्मी और पैरामिलिट्री फोर्स की 200 कंपनियां लगाई गई हैं। तकनीकी उपकरण भी लगाए गए हैं, ताकि किसी भी खतरे का पता लगाया जा सके। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान सुरक्षा को मजबूत करने और आईजीआई एयरपोर्ट से शांति पथ तक के रास्तों पर नजर रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने 700 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और पांच कंट्रोल रूम स्थापित किए हैं। तुगलक रोड पुलिस स्टेशन में एक खास सीसीटीवी कंट्रोल रूम भी बना है,

जहां से लगभग 500 कैमरों की फीड देखी जा सकती है। रास्ते की सुरक्षा और ट्रैफिक कंट्रोल के लिए खास सर्विलांस कैमरे लगाए गए हैं।

विदेशी गणमान्य व्यक्तियों और विश्व नेताओं की आवाजाही को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने भी राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक प्रतिबंध, डायवर्जन और नियंत्रित आवाजाही लागू की है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शुक्रवार रात 'एक्स' पर एक एडवाइजरी जारी की, जिसमें कहा गया कि शनिवार को सुबह 9.30 बजे से रात 9 बजे तक दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन और नियंत्रित आवाजाही लागू रहेगी। शिखर सम्मेलन से जुड़ी व्यवस्थाओं से कई प्रमुख सड़कें प्रभावित रहेंगी, जिनमें सरदार पटेल मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट, तीन मूर्ति मार्ग, अकबर रोड, तीस जनवरी मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, मथुरा रोड, मोती लाल नेहरू मार्ग, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, ब्रिगेडियर होशियारी सिंह मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू रोड, सत्य मार्ग और शांति पथ शामिल हैं। प्रभावित मार्गों में जनपथ, अशोक रोड, बाराखंभा रोड, टॉल्स्टॉय मार्ग, रणजीत सिंह फ्लाईओवर, नीति मार्ग, पंचशील मार्ग, कमाल अतातुर्क मार्ग, एपीजे अब्दुल कलाम रोड, प्रेस एन्क्लेव रोड, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, जोसेफ ब्रोज़ टीटो मार्ग और लाला लाजपत राय मार्ग भी शामिल हैं। पुलिस ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें। जहां भी संभव हो, सार्वजनिक परिवहन, विशेषकर मेट्रो का उपयोग करें। निर्धारित डायवर्जन मार्गों और ट्रैफिक कर्मियों की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज ने छत्तीसगढ़ को दिए 3.65 लाख अतिरिक्त आवास, दो लाख परिवारों का कराया गृह प्रवेश

एजेंसी
सक्ती। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत दो लाख परिवारों को गृह प्रवेश कराया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के लिए 3.65 लाख अतिरिक्त आवासों की घोषणा की। चौहान ने सक्ती में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित करने और बस्तर संभाग में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों के लिए आवास सर्वे की समय-सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ाने का भी ऐलान किया। सक्ती जिले के ग्राम जेठा में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से आवास की चाबियां सौंपीं। चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और सक्ती की सांसद कमलेश जांगड़े की मांग पर सक्ती में कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना की जाएगी। इससे क्षेत्र के किसानों को उन्नत तकनीक, फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक मार्गदर्शन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग में आवास से वंचित पात्र हितग्राहियों को योजना में शामिल करने के लिए सर्वे की समय-सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र गरीब पक्के आवास से वंचित नहीं रहेगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन 1600 से अधिक आवास पूर्ण हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने गरीबों को पक्की छत देने का संकल्प पूरा किया है। चौहान ने कहा कि पिछली सरकार के समय राज्यांश उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना प्रभावित हुई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख आवासों को मंजूरी दी। केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों से पिछले ढाई वर्षों में 11.50 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब केवल धान का कटोरा नहीं है, बल्कि फल, फूल और सब्जियों का भी प्रमुख उत्पादक राज्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास कार्यों की गति तेज है और छत्तीसगढ़ जल्द देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

ओडिशा टी-20 लीग 2026

सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर बने रैना और देबाशीष मोहंती

कटक। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को **'ओडिशा टी 20 लीग'** 2026 सीएम ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह टूर्नामेंट 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की नियुक्ति से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ जाएगी। इस टूर्नामेंट का मकसद ओडिशा के युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपना हुनर दिखाने और कीमती अनुभव हासिल करने का मंच देना है। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटन्स, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 20 सितंबर को होगी, जिसमें पहला मैच संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स के बीच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में लीग-स्टेज और नॉकआउट मैच होंगे। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम को बाराबती स्टेडियम में होने वाले फाइनल में सीधे जगह मिलेगी। इस स्टेडियम में पहले भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर में एक-दूसरे का सामना करेंगी और जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। 28 सितंबर को महिलाओं का एक एग्जीबिशन मैच भी खेला जाएगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए एक और आकर्षण होगा। **'ओडिशा टी 20 लीग'** लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ग्रैंड फाइनल 29 सितंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दो बेहतरीन टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुरेश रैना ने कहा, 'छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी, जिससे 10 दिनों तक रोमांचक और जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए अपना हुनर दिखाने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को साबित करने का एक शानदार मंच होगा। अपनी तारीखें नोट कर लें और एक ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट के लिए तैयार हो जाएं। जय जगन्नाथ।'

देबाशीष मोहंती ने भी ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं और कहा, 'ओडिशा में क्रिकेट फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेली जाएगी, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने और दबाव वाले माहौल में खेलने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगा। मैं इस टूर्नामेंट को आयोजित करने की कोशिशों के लिए ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन का शुक्रगुजार हूं। मुझे यकीन है कि यह लीग फैंस के लिए बहुत रोमांचक क्रिकेट और यादगार पल लेकर आएगी। मैं सभी से गुजारिश करता हूं कि वे तारीखें नोट कर लें और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए जरूर आएं। जय जगन्नाथ।'

ओसीए सेक्रेटरी संजय बेहरा ने भी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा, **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती जैसे बेहतरीन भारतीय क्रिकेटरों का जुड़ना सम्मान की बात है। उनके जुड़ने से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ेगी और ओडिशा के युवा क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने और इस प्लेटफॉर्म पर अपना टैलेंट दिखाने की प्रेरणा मिलेगी।'

● एशियन गेम्स 2026 से पहले भारत को झटका

● अन्नू रानी ने 2022 में जीता था स्वर्ण पदक

3 एथलीट भारतीय दल से बाहर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को एक और झटका लगा है। हाल ही में जहां भारत के दो रेसलर डोपिंग के कारण बाहर हो गए थे। वहीं अब तीन स्टार एथलीट भारतीय दल से बाहर हो गए हैं। खास बात यह है कि इन तीन एथलीट में से एक नाम है भारत की स्टार महिला जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी का जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आपको बता दें पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी समेत उभरते हुए लॉन्ग जम्प एथलीट शहनवाज खान और रेसर नित्या गांधे को प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों के चलते भारत की एशियाई खेलों की एथलेटिक्स टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही जापान जाने वाली भारतीय ट्रैक एवं फील्ड टीम की संख्या घटकर 74 रह गई है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इससे पहले आगामी एशियाई खेलों के लिए 77 एथलीटों का चयन किया था। बृहस्तिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल के बाद टीम में बदलाव किया गया। इस प्रतियोगिता को अंतिम पुष्टि के लिए चयन ट्रायल के तौर पर आयोजित किया गया था।

एएफआई चयन समिति के अध्यक्ष अदिल सुमरिवाला ने पीटीआई से कहा, 'अन्नू ने बृहस्पतिवार को हुए अंतिम ट्रायल में एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग मार्क हासिल नहीं किया, इसलिए उन्हें एशियाई खेलों के लिए नहीं चुना गया।' उन्होंने कहा, 'नित्या और शहनवाज खराब प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों से एशियाई खेलों में नहीं जाएंगे।'

तीनों खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने का फैसला शुक्रवार को एएफआई चयन समिति की ऑनलाइन बैठक में लिया गया। अब भारतीय एथलेटिक्स टीम के 74 सदस्य शनिवार को नयी दिल्ली से जापान के लिए रवाना होंगे।

भारत-श्रीलंका 7वीं बार आज खेलेंगे फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच 13 सितंबर यानी रविवार को खेला जाएगा। महिला एशिया कप के इतिहास में ये 7वां मौका होगा जब खिताबी जीत के लिए भारत और श्रीलंका की टीम आमने-सामने होंगे। इससे पहले भारत और श्रीलंका के बीच 6 बार फाइनल मुकाबले खेले जा चुके हैं जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने इस बार बांग्लादेश और श्रीलंका ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

7वीं बार खेलेंगे फाइनल

भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप में 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 6 फाइनल खेले जा चुके हैं जिसमें से भारत को 5 बार जीत मिली जबकि श्रीलंका ने एक बार भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारत और श्रीलंका के बीच 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 और 2024 फाइनल में भिड़ंत हुई थी जिसमें से भारत ने 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 के फाइनल में श्रीलंका को हराया था। वहीं श्रीलंका की टीम ने साल 2024 के फाइनल में भारत को हराया था। अब दोनों देश 2026 में एक बार फिर से फाइनल में खेलते हुए नजर आएंगे। इस बार महिला एशिया कप का 10वां सीजन खेला जा रहा है। महिला एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी और पिछले 9 सीजन में भारत 7 बार चैंपियन बन चुका है। भारत ने साल 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2012, 2016, 2022 में चैंपियन बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी।

पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने कटाया फाइनल का टिकट

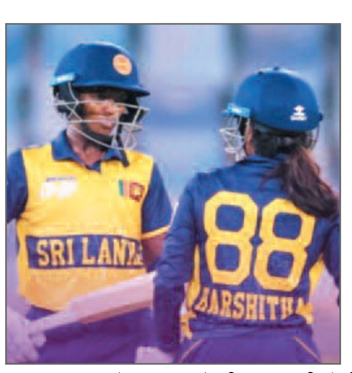

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने फाइनल में जगह बना ली है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की बल्लेबाजों ने पाकिस्तान से मिले 131 रनों के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल किया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान चमारी अटापट्टू 5 रन बनाकर फातिमा सना का शिकार बनीं। संजना कविंदी बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। हसीना परेरा सिर्फ 3 रन ही बना सकीं। इमेशा दुलानी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाईं और 21 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 36 रनों की अहम पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। कविशा दिलहारी ने 33 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में नीलाक्षी डी सिल्वा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए, जबकि कौशानी नुथ्यंगना 4 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर नीलाक्षी ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाते हुए श्रीलंका को फाइनल का टिकट दिलाया। इससे पहले, टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

यूएस ओपनः करेन खाचानोव को दी मात

अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला।

रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें। खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया। तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

'मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती', वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेंका

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेंका ने नंबर एक की पोजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं। एलेना रिबाकिना और आर्यना सबालेंका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेंका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पोजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है।

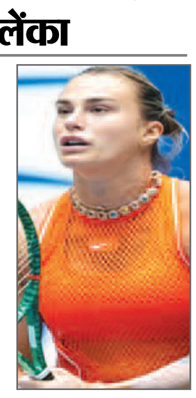

सार-समाचार

अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

गुयाना। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए। अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35

गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीव्स को चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, क्विंटन सैंपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए।
त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिरु कुमारा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरेन और उस्मान तारिक की किफायती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा।
इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 8 विकेट पर 126 रन बनाए थे। जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 16 गेंदों पर 26, और एलेक्स हेल्स ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए। अकील हुसैन ने 12 और किरोन पोलार्ड ने 10 रन बनाए। गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ ने 2, जबकि ड्वेन प्रिटोरियस और कप्तान इमरान ताहिर ने 1-1 विकेट लिए।

कॉनर एस्टरहुइजेन ने खेली शतकीय पारी

साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे में नामीबिया को 157 रनों से रौंदा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को दूसरे वनडे मुकाबले में 157 रनों से रौंदा। साउथ अफ्रीका से मिले 336 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की पूरी टीम 178 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन और मालन क्रूगर बिना खाता

खोले पवेलियन लौटे। वहीं, जेन फ्रीलिंक भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए। लॉरेन स्टीनकैंप भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन भी महज 6 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया की टीम महज 32 के स्कोर पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, जेन ग्रीन ने कप्तान गेरहार्ड इरास्मस का साथ देने का प्रयास किया और छठे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। ग्रीन 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जैन बाल्ट ने सातवें विकेट के लिए इरास्मस संग मिलकर 71 रनों की साझेदारी निभाई। बाल्ट 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे।
इरास्मस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों में 68 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। रुबेन ट्रम्पेलमैन ने 27 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि वाल्डो स्मिथ ने 10 रनों का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से डुआन जानसेन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, ईथन बॉश ने 3 विकेट अपने नाम किए।
इससे पहले, साउथ अफ्रीका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और जॉर्डन हरमन 24 गेंदों में 20 रन बनाने के बाद आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कॉनर एस्टरहुइजेन और टोनी डी जोर्जी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 गेंदों में 183 रन जोड़े। टोनी जोर्जी ने 87 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

'द रिवोल्यूशनरीज' उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है जिनके बारे में कम चर्चा हुई

वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' आजादी की लड़ाई के उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है, जिनके बारे में कम चर्चा हुई। यह सीरीज संजीव सान्याल की किताब 'रेवोल्यूशनरीज: द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' पर आधारित है। बातचीत में डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने बताया कि 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के बाद उन्हें लगा कि ऐसी कहानियों में यूथ का नजरिया मिसिंग था। उन्होंने प्रतिभा रांटा की तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह शो के लिए मना कर देतीं तो उनका दिल टूट जाता। निखिल ने मनोज बाजपेयी का किस्सा भी सुनाया, जिन्होंने 25 साल बाद साथ काम करने पर पूछा था- 'अब आए हो?'

'द रिवोल्यूशनरीज' में ऐसा क्या था, जो आपको पहले की कहानियों में मिसिंग लगा?

मुझे लगा कि यूथ मिसिंग था। हमने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, ऊधम सिंह और जलियांवाला बाग के बारे में बहुत पढ़ा है। लेकिन इनसे करीब 10 साल पहले भी एक समानांतर कहानी चल रही थी। रिसर्च करते हुए मुझे लगा कि इन युवाओं की कहानी भी बतानी चाहिए। उस समय के क्रांतिकारियों में एक अलग तरह का जुनून था। उन्होंने तय कर लिया था कि अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना है। कैसे करेंगे, यह बाद की बात थी। यही जुनून मुझे इस कहानी में सबसे ज्यादा आकर्षित करता है।

प्रतिभा रांटा में आपको वह प्रतिभा कब नजर आई, जो इस किरदार के लिए जरूरी थी?

मेरे लिए किसी एक्टर के पास जाना सिर्फ कास्टिंग नहीं है। मैं किसी कलाकार के पास तब तक नहीं जाना चाहता, जब तक मेरे पास उसके लिए ऐसा कुछ न हो, जिसमें वह पूरी तरह डूब सके। प्रतिभा के मामले में भी ऐसा ही था। मुझे पता था कि वह बहुत अच्छी एक्टर हैं, लेकिन यह समझना भी जरूरी था कि वह किरदार को किस तरह अपने अंदर उतारेंगी। हमने कई सीन्स पर महीनों चर्चा की। एक-एक लाइन पर बात की कि इसका मतलब क्या है और इसे किस तरह करना है। अगर प्रतिभा ने इस शो के लिए मना कर दिया होता, तो मैं सच में मेरा दिल टूट हो जाता। क्योंकि उन्होंने इस किरदार के लिए जो दिया है, वह बहुत खास है। मैं हमेशा मानता हूं कि एक एक्टर के अंदर यह चुनौती होनी चाहिए कि क्या मैं इस सीन को और बेहतर कर सकता हूं? क्या मैं इसे पेपर पर लिखे हुए सीन से आगे ले जा सकता हूं? अगर यह चुनौती नहीं है तो काम बोरिंग हो जाता है।

आपने कहा कि आप किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नहीं लेते कि वह बड़ा नाम है। मनोज बाजपेयी का 25 साल वाला किस्सा क्या है?

मनोज बाजपेयी मुझसे करीब 25 साल से कहते रहे थे कि मेरे साथ काम करना है। जब मैं आखिरकार उनके पास 'सत्यमेव जयते' लेकर गया तो उन्होंने मुझसे कहा- 'अब आए हो?'

मैं किसी बिजी स्टार के पीछे भागने में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए जरूरी है कि मेरे पास उस कलाकार के लिए सही किरदार हो। मैं किसी एक्टर के पास सिर्फ इसलिए नहीं जाता कि वह बड़ा नाम है। मुझे ऐसा किरदार लेकर जाना होता है, जिसमें वह अपने दांत गड़ा सके और पूरी तरह डूब सके।

क्या 'द रिवोल्यूशनरीज' जैसी कहानी पर फिल्म भी बनाई जा सकती है?

बिल्कुल बनाई जा सकती है। लेकिन मुझे सीरीज का फॉर्मेट पसंद है, क्योंकि इसमें किरदारों को ज्यादा गहराई से एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है। इसमें रोमांस है, एक्शन है और कई किरदारों की अपनी अलग परतें हैं। अगर यह फिल्म होती तो भी मैं इन्हीं कलाकारों के साथ काम करता। मैंने रोहित, प्रतिभा और बाकी कलाकारों को इसलिए चुना क्योंकि वे मेरे दिमाग में मौजूद किरदारों के लिए बिल्कुल सही थे। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि फॉर्मेट ओटीटी है या फिल्म। सही कलाकार और सही किरदार सबसे ज्यादा जरूरी हैं।

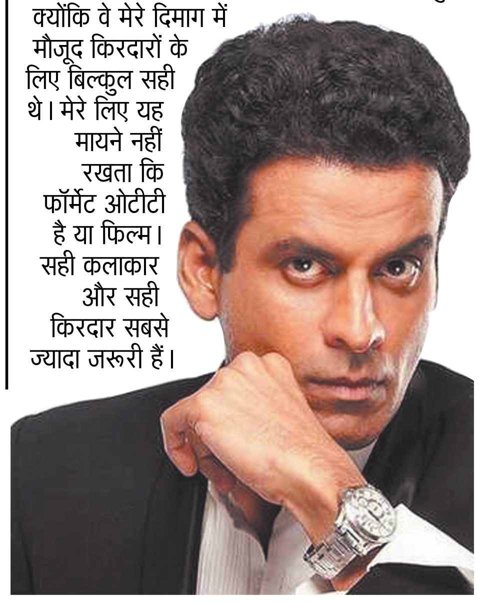

सोहेल खान के डायरेक्टोरियल डेब्यू का हिस्सा बने सलमान

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान जल्द ही बतौर हीरो बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। सलमान खान अपने भतीजे की इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। जाहिर है, फिल्म में सलमान की मौजूदगी से अरहान के डेब्यू को बड़ा सपोर्ट मिल सकता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने अपने परिवार के किसी सदस्य के करियर को सपोर्ट करने के लिए फिल्मों में काम किया हो। सोहेल खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हो या उनका डायरेक्शन में कमबैक, सलमान ने दोनों मौकों पर भाई का साथ दिया और उनकी फिल्मों में लीड रोल कर कमान संभाली। वहीं, जब अरबाज खान की बतौर लीड एक्टर फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं, तब सलमान ने उन्हें अपनी फिल्मों में काम दिया और बाद में प्रोडक्शन और डायरेक्शन की दूसरी पारी में भी उनका साथ दिया। इतना ही नहीं, सलमान ने अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा के पति आयुष शर्मा और बहन अलविरा अग्निहोत्री की बेटी अलिजेह अग्निहोत्री को भी अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए लॉन्च किया।

सोहेल खान ने साल 1997 में फिल्म 'औजार' से बतौर डायरेक्टर करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में सलमान खान ने लीड रोल निभाया था। करीब 5 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी। इसके बाद सोहेल खान ने साल 1998 में 'प्यार किया तो डरना क्या' डायरेक्ट की। इस फिल्म में भी सलमान खान लीड रोल में नजर आए। सोहेल ने फिल्म की कहानी लिखने के साथ-साथ इसे प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

सलमान की फिल्मों में सोहेल बने प्रोड्यूसर

सोहेल खान ने डायरेक्शन से ब्रेक के दौरान बतौर प्रोड्यूसर भी काम किया। वह सलमान खान की कई फिल्मों से प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े रहे। इनमें 'लकी: नो टाइम फॉर लव', 'मैंने प्यार क्यों किया?', 'पार्टनर', 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो', 'मैं और मिसेज खन्ना' और 'रेडी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इस तरह सलमान की फिल्मों के जरिए सोहेल का प्रोडक्शन करियर भी लगातार चलता रहा।

ईशा रिखी ने बताई बिग बॉस 20 में आने की वजह

मशहूर रैपर बादशाह से अलग होने के बाद अभिनेत्री ईशा रिखी की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। निजी जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखने वाली ईशा अब 'बिग बॉस 20' के घर में अपने बारे में खुलकर बात कर रही हैं। अब वह अपने अतीत को बार-बार याद करने के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहती हैं। यही वजह है कि उन्होंने उस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया। बातचीत में ईशा ने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 'बिग बॉस' का हिस्सा बनूंगी। मैं काफी निजी स्वभाव की रही हूं और मुझे लगा करता था कि शो का माहौल और तरीका मेरी जिंदगी से बिल्कुल अलग है। जब मुझे शो का ऑफर मिला तो मैंने तुरंत हां नहीं की। मैंने काफी सोचा और अपनी उन झिझक पर भी विचार किया, जिसकी वजह से मैं इस शो से दूर रहना चाहती थीं। आखिरकार मैंने तय किया कि अब डर और हिचक को पीछे छोड़ने का समय है और फिर शो में जाने का फैसला किया।'' ईशा रिखी ने कहा, ''जिंदगी में कुछ बड़ा झेलने के बाद ही कई बार इंसान को अपनी असली ताकत का पता चलता है। मुझे भी अब लगता है कि मैं इस शो में खुद को संभाल सकती हूं और यहां टिक सकती हूं। मैंने जितना समय फिल्मी दुनिया में बिताया है, उसे देखते हुए मुझे हमेशा लगता था कि मैं 'बिग बॉस' जैसे शो के लिए सही नहीं हूं लेकिन धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि अगर इंसान के भीतर आत्मविश्वास है तो जगह मायने नहीं रखती। मैं कहीं भी जाऊं, अपनी पहचान बना सकती हूं।''

ईशा ने आगे कहा, ''यह शो मेरे लिए खुद को लोगों के सामने अपने तरीके से रखने का मौका है। ऑफर मिलने के बाद मेरे मन में यह भी था कि शो के जरिए दर्शकों को पता चल सकेगा कि मैं असल जिंदगी में कैसी हूं और मेरा स्वभाव कैसा है। एक कलाकार के लिए अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना आसान नहीं होता। लोगों की राय, चर्चाएं और तरह-तरह की बातें कई बार काम पर भी असर डालती हैं। मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है और कभी

किसी दौड़ का हिस्सा बनने की कोशिश नहीं की।'' निजी जिंदगी से जुड़े सवालों पर भी ईशा ने कहा, ''आगे जो भी स्थिति आएगी, मैं उसे उसी समय संभालूंगी। मैं अब ऐसी बातों पर अपनी ज्यादा एनर्जी नहीं लगाना चाहतीं, जिनके बारे में मैं खुद बात नहीं करना चाहतीं। मैं हर किसी को सफाई नहीं दूंगी। जो बातें मैं साझा नहीं करना चाहती, उन्हें अपने तक ही रखूंगी।'' शो के अंदर होने वाले झगड़ों को लेकर भी ईशा ने कहा, ''घर में लड़ाई-झगड़े होना कोई नई बात नहीं है। असल जिंदगी में भी परिवार और दोस्तों के बीच मतभेद होते हैं, लेकिन 'बिग बॉस' के घर में यह सब किस स्तर तक जाएगा, इसका अंदाजा मुझे अभी नहीं है।'' 'बिग बॉस 20' में ईशा की एंट्री ऐसे समय हुई है, जब उनकी निजी जिंदगी पहले से ही चर्चा में है। बादशाह और ईशा ने हाल ही में आपसी सहमति से अलग होने की जानकारी साझा की थी।

आम्रपाली दुबे ने बताया अपना स्टारडम का राज

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। शो में आने के बाद उनके करियर और अब तक के सफर को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। आम्रपाली उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि, आम्रपाली का कहना है कि उनका स्टारडम सिर्फ उनकी लोकप्रियता की वजह से नहीं आया, बल्कि उनकी एक्टिंग ने उन्हें वह सम्मान दिलाया, जो एक अभिनेत्री के तौर पर उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि भोजपुरी और क्षेत्रीय सिनेमा में फीमेल एक्टर्स को अक्सर ऐसे किरदारों तक सीमित कर दिया जाता है, जिनमें उनके पास परफॉर्म करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता। आईएएनएस ने जब आम्रपाली से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें एक एक्ट्रेस के तौर पर पर्याप्त सम्मान दिया या फिर उनकी स्टार पावर को ज्यादा महत्व मिला। इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे अपनी एक्टिंग स्किल्स की वजह से बहुत ज्यादा सम्मान मिला। महिला कलाकारों को उनकी एक्टिंग के लिए इतना सम्मान मिलना क्षेत्रीय सिनेमा में आम बात नहीं है, क्योंकि अक्सर फीमेल एक्टर्स को सीमित और सिर्फ सजावटी तरह के किरदारों में देखा जाता है।''

आम्रपाली ने कहा, ''एक महिला कलाकार के लिए रीजनल सिनेमा में कई बार ऐसे रोल की सीमा तय कर दी जाती है, जिनमें वह सिर्फ फिल्म की खूबसूरती बढ़ाने तक रह जाती है। लेकिन मैं खुद को इस मामले में काफी लकी मानती हूं। मुझे लगातार ऐसे फिल्मों और प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला, जिनकी कहानियां और कॉन्सेप्ट अलग थे। इन फिल्मों में मेरे किरदार भी एक जैसे नहीं थे और हर बार मुझे कुछ नया करने का मौका मिला।''

अपने करियर में निभाए गए किरदारों का जिक्र करते हुए आम्रपाली ने कहा, ''मैंने एक पाकिस्तानी लड़की का रोल भी किया है। मैं पर्दे पर एक हैदराबादी लड़की का किरदार भी निभा चुकी हूं। भोजपुरी इंडस्ट्री में मुझे कई अलग-अलग तरह के रोल करने का मौका मिला और दर्शकों ने भी मेरे हर अंदाज को पसंद किया। पहले लोगों ने मेरे किरदारों और एक्टिंग को पसंद किया और उसके बाद ही मुझे स्टार का खिताब मिला।'' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

दानिश पंडोर के हाथ लगी बड़ी फिल्म

आमिर के साथ निभाएंगे अहम किरदार

अभिनेता दानिश पंडोर को फिल्म 'धुरंधर' में उनके किरदार उजैर बलोच के लिए काफी पसंद किया गया था। अब एक्टर जल्द आमिर खान की फिल्म 'ललकारा' में अभिनय करते दिखेंगे। जानें एक्टर की अगली फिल्म के बारे में... दानिश पंडोर ने रणवीर सिंह अभिनीत स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' से अपनी असल पहचान बनाई थी।

बातचीत में उन्होंने बताया कि वह जल्द आमिर खान के साथ उनकी फिल्म 'ललकारा' में दिखाई देंगे। हालांकि पंडोर को कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिले। मगर उन्होंने आमिर की फिल्म साइन कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह आमिर खान के दोस्त का किरदार निभाएंगे।

फिल्म के लिए चल रही ट्रेनिंग

फिल्म 'ललकारा' के लिए आमिर खान, सिद्धांत गुप्ता, दानिश पंडोर तीनों ही क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रहे हैं। अपने-अपने किरदारों के लिए एक्टर्स अपनी फिजीक में काफी बदलाव कर रहे हैं। फिल्म में आमिर खान स्वतंत्र भारत के पहले क्रिकेट कप्तान, क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी अब तक नहीं मिली है।

फिल्म 'ललकारा' भारत के पहले क्रिकेट कप्तान लाला अमरनाथ के जीवन पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। फिल्म को पियूष गुप्ता और नीरज सिंह ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की एक्सेल एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म के बैनर तले हो रहा है। फिल्म की शूटिंग नवंबर 2026 से शुरू हो सकती है।

कौन हैं दानिश पंडोर

दानिश पंडोर ने साल 2025 में फिल्म 'धुरंधर' और 2026 में 'धुरंधर 2' में अभिनय किया था। इस फिल्म में उन्होंने उजैर बलोच का किरदार निभाया, इस किरदार में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। पिछले दिनों वह इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में भी नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अफजल का किरदार निभाया था। फिल्मों में आने से पहले दानिश ने कई हिंदी टीवी सीरियल किए थे, जिनके जरिए उन्हें अच्छी-खासी पहचान मिली।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

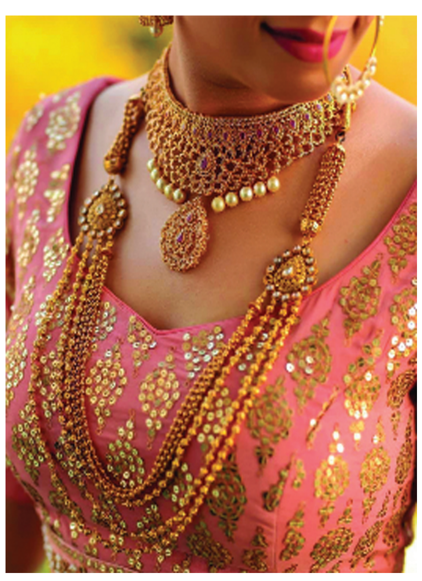

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता है कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही इस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।